



जिंदगी हमेशा आपको एक नया मौका देती है, सरल शब्दों में उसे कल कहते हैं।

# परिवहन विशेष

वर्ष 03, अंक 324, नई दिल्ली, शुक्रवार 23 जनवरी 2026, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

सोशल मीडिया से जुड़ें  
Parivahan\_Vishesh

Twitter Facebook Instagram YouTube

RNI No :- DELHIN/2023/86499  
DCP Licensing Number : F.2 (P-2)  
Press/2023

● 02 कोकीन (Cocaine) के दुष्प्रभाव: मानसिक स्वास्थ्य और शरीर पर क्या असर डालते हैं? ● 06 हनी ट्रैप: भय, बदनामी और अपराध का संगठित जाल ● 08 आरएसपी भूमि व संपत्तियों में संगठित भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, मामला सिविली से- डॉ यादव

## परिवहन पत्रकारिता में ऐतिहासिक पहल

### परिवहन क्षेत्र का एकमात्र राष्ट्रीय हिंदी दैनिक 'परिवहन विशेष' अब अंग्रेजी में भी

#### परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। परिवहन क्षेत्र का एकमात्र राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र अपने पाठकों के लिए एक बड़ी और ऐतिहासिक खुशखबरी लेकर आया है। अब तक हिंदी भाषा में प्रकाशित होने वाला यह प्रतिष्ठित समाचार पत्र, पाठकों की निरंतर माँग, विश्वास और सहयोग को देखते हुए, अगले सप्ताह से हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी भाषा में भी प्रकाशित किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य देशभर के परिवहन उद्योग से जुड़े पाठकों—चालक, ट्रांसपोर्टर, उद्यमी, नीति-निर्माता और आम नागरिक—तक त्वरित, तथ्यपरक और विश्वसनीय समाचार भाषाई सीमाओं से परे पहुँचाना है। इससे समाचारों की पहुँच और प्रभावशीलता दोनों में वृद्धि होगी।

समाचार पत्र प्रबंधन के अनुसार, अंग्रेजी संस्करण के आरंभ के साथ ही कंटेंट की गुणवत्ता, विश्लेषणात्मक रिपोर्टिंग, विशेष फीचर और ग्राउंड रिपोर्ट्स को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। डिजिटल और प्रिंट—दोनों माध्यमों में पाठकों को समृद्ध अनुभव देने पर विशेष फोकस रहेगा। प्रबंधन ने कहा कि यह उपलब्धि पाठकों के निरंतर समर्थन, सुझावों और प्रेरणा का प्रतिफल है। आने वाले समय में पाठकों की अपेक्षाओं के अनुरूप नवाचार और विस्तार जारी रहेगा।

पाठकों के सहयोग से शुरू की गई यह पहल न केवल समाचार पत्र के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि परिवहन पत्रकारिता में एक नए युग की शुरुआत भी मानी जा रही है।

Original

प्रेसीयन प्रमाण-पत्र  
CERTIFICATE OF REGISTRATION

प्रमाणित किया जाता है कि प्रेस तथा निवृत्तकालिक पत्रिका पंजीकरण अधिनियम, 2023 के अंतर्गत इस निवृत्तकालिक पत्रिका को पंजीकृत कर दिया गया है।  
This is to certify that this Periodical has been registered under the Press and Registration of Periodicals Act, 2023.

1. शीर्षक  
2. पंजीकृत संख्या  
3. पत्रिका की भाषा  
4. आवृत्ति  
5. प्रकाशक  
6. पता  
7. मुद्रण का स्थान  
8. मुद्रणकर्ता का नाम और पता  
9. संपादक  
10. संपादक का पता  
11. पंजीकरण की तिथि  
12. अंतिम पंजीकरण की तिथि

Digitally signed  
Yogesh Kumar Baweja  
22/01/2026 09:26 PM  
223320260922142658

प्रेस रजिस्ट्रार जनरल ऑफ़ इंडिया  
प्रेस पंजीकरण / प्रेस रजिस्ट्रार कमान्ड

Register No :- DLENG/24/A0658  
www.newsparivahan.com  
India's First Leading English Transport Newspaper

## Parivahan Vishesh

Vol. 01, Issue 01, New Delhi, Saturday 28 January 2026, ₹ 5, Page 8

● 03 NMC data shows India adding just 21 doctors in a ● 06 School Students Visit Delhi Assembly ● 08 I didn't say give your job to me - Trump

### Medical education body makes nationwide faculty attendance tech go high tech

New Delhi. The National Medical Commission (NMC), the organization that replaced the Medical Council of India in 2020 to oversee, monitor and improve medical education in India, has directed health departments of all states and Union Territories to launch face-based mobile Aadhaar authentication for keeping watch on attendance of faculties with effect from 1 October.

New Delhi. The National Medical Commission (NMC), the organization that replaced the Medical Council of India in 2020 to oversee, monitor and improve medical education in India, has directed health departments of all states and Union Territories to launch face-based mobile Aadhaar authentication for keeping watch on attendance of faculties with effect from 1 October.

### Nitin Gadkari Sets 5-Year Target To Make India's Auto Industry World's No. 1

New Delhi. Union Minister for Road Transport and Highways Nitin Gadkari recently outlined a bold vision to make India's automobile industry the largest in the world within the next five years. Speaking at the Federation of Automobile Dealers Association (FADA) 7th Auto Retail Convention, Gadkari emphasized that the sector's growth trajectory, cost competitiveness and adoption of new technologies could propel India ahead of the United States and China to become the No. 1 global auto industry by 2030.

### School Students Visit Delhi Assembly Exhibition on PM Modi's Journey

A group of school children visited the exhibition titled "Service to the Resolve, India First the Inspiration - 75 Years, An Experience and An Exhibition" under the aegis of the Delhi Legislative Assembly, here today.

## मोती झील की तरह उपेक्षा का शिकार सुखना झील, अरावली रेंज पर सख्त हुए CJI सूर्यकांत



#### संजय कुमार बाठला

लखनऊ की मोती झील (हैदरगंज - ऐशबाग) की तरह पर्यावरणीय उपेक्षा का शिकार हो रही चंडीगढ़ की सुखना झील और अरावली रेंज के मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त रुख अपनाता दिख रहा है।

सुनवाई के दौरान भारत के चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत ने हरियाणा सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए सवाल किया — "सुखना झील को और कितना सुखाओगे?" सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि सुखना झील को हो रहे नुकसान के लिए प्रशासनिक लापरवाही के साथ-साथ अधिकारियों और बिल्डर माफिया की मिलीभगत जिम्मेदार है।

कोर्ट ने इस गंभीर पर्यावरणीय क्षति पर नाराजगी जताते हुए एमिकस क्यूरी से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने संकेत दिए कि यदि अरावली रेंज में अंधाधुंध निर्माण, कैचमेंट एरिया की अनदेखी और झीलों के प्राकृतिक जल स्रोतों से छेड़छाड़ इसी तरह जारी रही, तो इसके गंभीर कानूनी परिणाम होंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल सुखना झील तक सीमित नहीं है, बल्कि देश भर में झीलों, जलस्रोतों और हरित क्षेत्रों के विनाश का प्रतीक है — ठीक उसी तरह जैसे लखनऊ की मोती झील वर्षों से सरकारी उपेक्षा झेल रही है।

अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।

### सारथी शपथ पत्र

सड़क सुरक्षा एवं नगरीय सड़क इंडिया के लिए संकल्प

मैं, एक जिम्मेदार चालक होने के नाते, ईश्वर/सविधान को साक्षी मानकर यह संकल्प लेता/लेती हूँ कि—

- मैं हमेशा वातायत नियमों का पूर्ण पालन करूँगा/करूँगी और सुरक्षित व अनुशासित तरीके से वाहन चलाऊँगा/चलाऊँगी।
- मैं वाहन चलाने के समय शराब, नशीले पदार्थों, तंबाकू अथवा किसी भी प्रकार के मादक द्रव्यों का सेवन नहीं करूँगा/करूँगी।
- मैं कभी भी नशे की हालत में वाहन नहीं चलाऊँगा/चलाऊँगी और दूसरों को भी ऐसा करने से रोकूँगा/रोकूँगी।
- मैं तेज गति, ओवरलोडिंग, मोबाइल फोन के उपयोग तथा लापरवाही से वाहन चलाने से पूर्णतः परहेज करूँगा/करूँगी।
- मैं हमेशा सीट बेल्ट एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करूँगा/करूँगी तथा सहायियों को भी इसके लिए प्रेरित करूँगा/करूँगी।
- मैं अपने वाहन की नियमित जाँच करूँगा/करूँगी ताकि वह सड़क पर सुरक्षित रूप से चलने योग्य रहे।
- मैं सड़क पर पैदल यात्रियों, साइकिल चालकों, बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगजनों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखूँगा/रखूँगी।
- मैं सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु जागरूकता फैलाऊँगा/फैलाऊँगी और सड़क सुरक्षा व नगरीय सड़क का संदेश समाज तक पहुँचाऊँगा/पहुँचाऊँगी।

मैं यह संकल्प अपने परिवार, समाज और देश की सुरक्षा के हित में पूरे निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का वचन देता/देती हूँ।

जय हिंद

EICHER, HIGHWAY HERO TRUST, DECA, BARS, ASDC

## परिवहन विशेष जनहित विशेष कॉलम

### प्रकृति और मानवता का संरक्षण ही हमारा धर्म है (Save Nature and humanity)

पिकी कुंडू

माता-पिता की सेवा और सत्कार गुरु की शरण और सम्मान प्रकृति व अन्य जीवों का संरक्षण आजमाने को समर्पण यह भगवान की सार्थक व सच्ची भक्ति के स्वरूप है।

माता - पिता जिन्होंने हमें आकार दिया है, पलता आरार दिया है। जन्म के 3 से 4 वर्ष तक मैया का दूध, हमारा आरार है।

संस्कार, माता - पिता द्वारा दिए गए संस्कार ही एक सत्य व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। आचार हमारी जीविका का साधन के साथ साथ समाज में एक सत्य व्यक्तित्व का निर्माण हमें गुरु से प्राप्त होता है।

मैंने अपने बहुत से लेखों में वर्णन भी किया है भगवान भी जब मानव रूप में पृथ्वी पर आते हैं तो वो भी गुरु से शिक्षा ग्रहण करते हैं फिर चाहे वेता युग में गुरु वीरभद्र और गुरु विरवाचिन हों या द्वार में गुरु नरेशि संदीपनी। गुरु की शरण के बिना हमारा जीवन अधुरा और अर्थरहक है।

दूसरा है प्रकृति व अन्य जीवों का संरक्षण प्रकृति में मौजूद पंचतत्व (वायु, अग्नि, जल, आकाश और भूमि) इनके कारण हमारे जीवन का अस्तित्व है। हम इन पंचतत्वों में से किसी का भी निर्माण नहीं कर सकते हैं

\* केवल उनका संरक्षण कर सकते हैं और \* प्रकृति में हर जीव एक-दूसरे पर आशरित है इसलिए हमें अपने साथ साथ अन्य जीवों का



संरक्षण भी करना चाहिए।

\* हमारा समाज (आमजन) भगवान भी जब मानव रूप में पृथ्वी पर आते हैं तो वो भी गुरु से शिक्षा ग्रहण करते हैं। युवा भाईयों और दिव्यांगियों से (जो पृथ्वी पर मानव सभ्यता का भविष्य है) मेरा विशेष आग्रह है आप वे 4 मंत्र

1. माता-पिता की सेवा,
2. गुरु की शरण और सम्मान,
3. प्रकृति और अन्य जीवों का संरक्षण,
4. आमजन को समर्पण

इन्का अनुसरण करते से तो आज भी वो आपके जीवन सच्ची रथ के सारथी बनें हैं। प्रकृति और मानवता का संरक्षण ही हमारा धर्म है (Save Nature and humanity)

## टेंपल आफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर अलाइड ट्रस्ट पंजीकृत

https://tolwa.com/about.html | tolwaindia@gmail.com, tolwadelhi@gmail.com



### आज का साइबर सुरक्षा विचार : पुलिस बल के लिए ही नहीं बल्कि हमारे देश के प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का क्षण

प्रो. त्रिवेणी सिंह, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त साइबर अपराध विशेषज्ञ, इजराइल में आयोजित प्रतिष्ठित साइबरटेक ग्लोबल लेल प्रतिनिधित्व करेंगे। यह न केवल पुलिस बल के लिए बल्कि हमारे देश के प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व का क्षण है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की साइबर क्षमताओं को प्रदर्शित करने में उनका नेतृत्व भारतीय पुलिस अधिकारियों की बढ़ती ताकत, पेशेवर दक्षता और विशेषज्ञता को

उजागर करता है, जो लगातार बदलते साइबर खतरों का सामना कर रहे हैं।

**इसका महत्व क्यों है**

\* वैश्विक पहचान: साइबरटेक ग्लोबल लेल अवीव विश्व के सबसे बड़े और प्रभावशाली साइबर सुरक्षा सम्मेलनों में से एक है, जिसमें नीति-निर्माता, उद्योगजगत के नेता, शोधकर्ता और कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ शामिल होती हैं। प्रो. सिंह की उपस्थिति सुनिश्चित करती है कि साइबर अपराध के खिलाफ वैश्विक रणनीतियों को आकार देने में भारत की आवाज़ सुनी जाए।

\* राष्ट्रीय गौरव: "एशिया के साइबर कॉफ" के रूप में प्रसिद्ध, प्रो. सिंह ने भारत में साइबर अपराध जांच, जागरूकता अभियानों और संस्थागत सुधारों की नींव रखी है। उनका प्रतिनिधित्व भारतीय पुलिसिंग की प्रतिष्ठा को ऊँचा करता है और वैश्विक साइबर लचीलापन के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

\* संस्थागत शक्ति: यह सम्मेलन भारतीय पुलिस संस्थानों, विशेषकर उत्तर प्रदेश पुलिस की साइबर सुरक्षा क्षमताओं को भी उजागर करेगा, यह दिखाते हुए कि भारतीय बल आधुनिक चुनौतियों का सामना उन्नत उपकरणों, एसओपी और नगरिक-केंद्रित रणनीतियों के साथ कर रहे हैं।

**प्रो. त्रिवेणी सिंह की विरासत**

\* साइबर अपराध विशेषज्ञता: वित्तीय साइबर अपराध प्रबंधन में विशेषज्ञता रखते हुए, प्रो. सिंह ने ऑनलाइन धोखाधड़ी, फ्रिंशिंग और डिजिटल वित्तीय घोटालों की ऐतिहासिक जांचों का नेतृत्व किया है।

\* उन्होंने हजारों अधिकारियों को साइबर फॉरेंसिक और डिजिटल भ्रष्टाचार पहचान में प्रशिक्षित किया है।

\* जन-जागरूकता एवं पहूँच: उन्होंने नागरिकों और पुलिस के बीच की दूरी को कम

करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, यह सुनिश्चित करते हुए कि साइबर अपराध रिपोर्टिंग तंत्र सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी हो।

\* उनके अभियानों ने नागरिकों को ऑनलाइन खतरों को पहचानने और उनसे बचने के लिए सशक्त बनाया है।

\* मार्गदर्शन एवं नेतृत्व: सेवानिवृत्त के बाद भी, प्रो. सिंह संस्थानों, अधिकारियों और नागरिकों को साइबर लचीलापन, डिजिटल साक्षरता और सक्रिय अपराध रोकथाम पर मार्गदर्शन देते रहते हैं।

**\* भारतीय पुलिस अधिकारियों के लिए प्रभाव**

प्रेरणा: अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनका नेतृत्व सेवा में लगे अधिकारियों को साइबर पुलिसिंग में उत्कृष्टता प्राप्त करने के डिजिटल युग में निरंतर सीखने के महत्व को मजबूत करता है।

दृश्यता: यह दर्शाता है कि भारतीय पुलिस

अधिकारी केवल धरेलु स्तर पर कानून लागू नहीं कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक साइबर सुरक्षा संवादों में भी सार्थक योगदान दे रहे हैं।

सहयोग: यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और तकनीकी आदान-प्रदान के द्वार खोलता है, जो भारत की साइबर अपराध से लड़ाई को मजबूत करेगा और संस्थागत लचीलापन को बढ़ाएगा।

भारत को साइबर सुरक्षा में अग्रणी बनाए साइबरटेक ग्लोबल लेल अवीव 2026 में प्रो. त्रिवेणी सिंह का प्रतिनिधित्व केवल व्यक्तित्व उपलब्धि नहीं है — यह वैश्विक साइबर सुरक्षा नेतृत्व में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रतीक है।

यह डिजिटल युग में नागरिकों की सुरक्षा के लिए भारतीय पुलिस अधिकारियों की समर्पित भावना को दर्शाता है और सभी के लिए सुरक्षित साइबरस्पेस बनाने के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।



# स्वास्थ्य विशेष

स्वास्थ्य आपका कोशिश हमारी



**पूजा**  
(मानसिक स्वास्थ्य विद्यालय परामर्शदाता)

## कोकीन (Cocaine) के दुष्प्रभाव: मानसिक स्वास्थ्य और शरीर पर क्या असर डालते हैं? इसी पर आज कुछ विचार साझा करने जा रही हैं मेंटल हेल्थ और स्कूल काउंसलर पूजा

कोकीन एक शक्तिशाली और अवैध नशीला पदार्थ है, जो तुरंत उत्तेजना और ऊर्जा का एहसास कराता है। लेकिन इसका असर बहुत खतरनाक होता है। थोड़े समय के सुख के बदले यह मानसिक स्वास्थ्य और शरीर दोनों को गंभीर नुकसान पहुंचाता है।

**मानसिक स्वास्थ्य पर कोकीन के दुष्प्रभाव**  
चित्ता और घबराहट

कोकीन लेने से अत्यधिक बेचैनी, डर और घबराहट हो सकती है। व्यक्ति को बिना कारण डर लगने लगता है।

**डिप्रेशन (अवसाद)**  
नशे का असर खत्म होते ही गहरा अवसाद महसूस हो सकता है। लंबे समय तक सेवन करने से डिप्रेशन स्थायी बन सकता है।

**भ्रम और पागलपन जैसे लक्षण**  
व्यक्ति को ऐसी चीजें दिखना या सुनाई देना जो वास्तव में नहीं होतीं। आक्रामक व्यवहार गुस्सा, हिंसक सोच और दूसरों को

नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है। लत (Addiction) कोकीन बहुत जल्दी मानसिक निर्भरता पैदा करती है, जिससे इसे छोड़ना बेहद मुश्किल हो जाता है।

**शरीर पर कोकीन के दुष्प्रभाव**  
दिल पर असर  
हार्ट अटैक, तेज धड़कन, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की धमनियों को नुकसान। दिमाग को नुकसान  
स्ट्रोक, याददाश्त कमजोर होना और निर्णय लेने की क्षमता में कमी। नाक और फेफड़ों की समस्या

सूंघकर लेने से नाक की अंदरूनी झिल्ली खराब हो जाती है, सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। पाचन तंत्र पर असर  
भूख न लगना, वजन कम होना और पेट की गंभीर समस्याएं।

**यौन स्वास्थ्य पर असर**  
यौन इच्छा में कमी और प्रजनन क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव। लंबे समय तक कोकीन लेने के परिणाम शरीर का तेजी से कमजोर होना नौद की गंभीर समस्या सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों का

टूटना  
**आत्महत्या के विचार**  
कोकीन का सेवन केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। यह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। समय रहते मदद लेना और नशे से दूरी बनाना ही सुरक्षित जीवन की कुंजी है।

यदि आप या आपका कोई परिचित नशे की समस्या से जूझ रहा है, तो किसी स्वास्थ्य विशेषज्ञ या नशा मुक्ति केंद्र से संपर्क करना बहुत जरूरी है।



## रोबोटिक - असिस्टेड रैडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी (RARP) क्या है?

रोबोटिक - असिस्टेड रैडिकल प्रोस्टेटेक्टॉमी (RARP) प्रोस्टेट कैंसर के उपचार के लिए की जाने वाली एक अत्याधुनिक न्यूनतम इनवेसिव (Minimally Invasive) शल्य प्रक्रिया है। इस सर्जरी में पूरा प्रोस्टेट ग्रंथि, उसके आसपास के कुछ ऊतक (जैसे सेमिनल वेसिकल्स) और आवश्यकता पड़ने पर पास के लिम्फ नोड्स को भी हटाया जाता है।

यह तकनीक पारंपरिक लैप्रोस्कोपिक सर्जरी को उन्नत रोबोटिक तकनीक के साथ जोड़ती है, जिससे सर्जरी अधिक सटीक, सुरक्षित और प्रभावी बनती है।

RARP कैसे की जाती है? RARP में सर्जरी प्रत्यक्ष हाथों से नहीं, बल्कि रोबोटिक प्रणाली की सहायता से की जाती है:

- \* पेट के निचले हिस्से में छोटे-छोटे की-होल (key-hole) चीरे लगाए जाते हैं।
- \* इन छिद्रों से रोबोटिक भुजाएँ, सूक्ष्म सर्जिकल उपकरण और हाई-डेफिनिशन 3D कैमरा डाला जाता है।
- \* सर्जन पास ही स्थित एक कंसोल (Console) पर बैठकर इन रोबोटिक भुजाओं को नियंत्रित करता है।
- \* सर्जन के हाथों की गतिविधियाँ मशीन द्वारा अत्यंत सूक्ष्म, कंपन-रहित (tremor-free) माइक्रो मूवमेंट्स में बदल जाती हैं।
- \* इस प्रकार, प्रोस्टेट को पूरी तरह हटाने का लक्ष्य कम से कम शारीरिक क्षति के साथ प्राप्त किया जाता है।

जाना है।

**RARP क्यों की जाती है? (उपयोगिता)**  
**मुख्य उद्देश्य:**

1. स्थानीयकृत प्रोस्टेट कैंसर का इलाज या नियंत्रण, जब कैंसर केवल प्रोस्टेट तक सीमित हो।
2. कैंसर को शरीर में फैलने से रोकना और रोगी के जीवन की गुणवत्ता बनाए रखना।

अन्य प्रोस्टेट रोगों में इसका सीमित उपयोग संभव है, लेकिन इसका मुख्य उद्देश्य कैंसर उपचार ही है।

रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी के प्रमुख लाभ पारंपरिक ओपन प्रोस्टेटेक्टॉमी की तुलना में RARP के कई उल्लेखनीय फायदे हैं:

- \* न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया
- \* कम दर्द
- \* छोटे निशान
- \* अस्पताल में कम समय
- \* जल्दी सामान्य जीवन में वापसी
- \* कम रक्तस्राव :- पेट में गैस भरने (Pneumoperitoneum) और सटीक उपकरणों के कारण रक्तस्राव काफी कम होता है।
- \* बेहतर दृश्यता और सटीकता 3D हाई-डेफिनिशन दृश्य से सर्जन को स्पष्ट और बड़ा दृश्य मिलता है। उपकरणों की गति मानव हाथों से अधिक लचीली और नियंत्रित होती है।
- \* महत्वपूर्ण नसों की सुरक्षा Nerve-sparing techniques की मदद से:
- \* पेशाब पर नियंत्रण (Urinary



Continence)  
\* यौन क्षमता (Erectile Function) को बेहतर ढंग से संरक्षित किया जा सकता है।

\* कम शुरुआती जटिलताएँ बड़े अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि RARP में शुरुआती पोस्ट-ऑपरेटिव जटिलताएँ कम होती हैं।

जोखिम और सावधानियाँ हर बड़ी सर्जरी की तरह RARP में भी कुछ संभावित जोखिम होते हैं:

- \* रक्तस्राव या संक्रमण
- \* आसपास के अंगों को क्षति
- \* अस्थायी या कभी-कभी स्थायी: \* मूत्र असंयम (Urinary Incontinence)
- \* स्तंभ दोष (Erectile Dysfunction)

**इसके अलावा:**

1. यह प्रक्रिया कई देशों में मंजूरी है।



2. लंबे समय के कैंसर नियंत्रण परिणाम सामान्यतः ओपन सर्जरी के समान होते हैं — खासकर अनुभवी सर्जन द्वारा किए जाने पर।

नवीनतम प्रगति और अत्याधुनिक विकास रोबोटिक प्रोस्टेट सर्जरी निरंतर विकसित हो रही है:

1. सिंगल-पोर्ट रोबोटिक सिस्टम
- \* पूरी सर्जरी एक ही छोटे चीरे से
- \* कम दर्द, कम संक्रमण
- \* कुछ मामलों में डे-केयर सर्जरी संभव
2. उन्नत फंक्शनल तकनीकें
- \* Retzius-sparing surgery
- \* Advanced nerve-sparing approaches

पेशाब नियंत्रण और यौन स्वास्थ्य की तेज़ और बेहतर रिकवरी

**भारत में हालिया क्लिनिकल उपयोग से:**



\* जल्दी कटिनेस

\* न्यूनतम जटिलताएँ देखी गई हैं।

3. बढ़ता हुआ उपयोग क्षेत्र अब सावधानीपूर्वक चर्चित मामलों में लोकली एडवांस्ड प्रोस्टेट कैंसर में भी उपयोग

वास्तविक जीवन (real-world) परिणाम आशाजनक

4. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और सर्जिकल एनालिटिक्स
- \* रियल-टाइम सर्जिकल फीडबैक
- \* सर्जिकल वीडियो का विश्लेषण
- \* नसों की सुरक्षा और परिणामों की भविष्यवाणी

सर्जन प्रशिक्षण और व्यक्तिगत उपचार योजना में क्रांति

5. हाइब्रिड और डुअल-रोबोट तकनीक अलग-



अलग रोबोटिक प्रणालियों का संयुक्त उपयोग, अत्यधिक सटीकता और कम चीरे (हालाँकि अभी प्रयोगात्मक स्तर पर)

संक्षेप में Robotic - Assisted Radical Prostatectomy (RARP) है:

1. प्रोस्टेट कैंसर के लिए एक उन्नत न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी
2. उच्च सटीकता, कम शारीरिक क्षति और तेज़ रिकवरी के लिए डिज़ाइन
3. कैंसर नियंत्रण में पारंपरिक सर्जरी के समान प्रभावी
4. निरंतर विकसित होती तकनीक, जिससे भविष्य में परिणाम और बेहतर होंगे
5. आने वाले वर्षों में रोबोटिक सर्जरी के कई चिकित्सा क्षेत्रों में मानक उपचार बनने की पूरी संभावना है।

## बथुआ साग: सर्दियों का देसी सुपरफूड, सेहत और खेती दोनों के लिए वरदान

सर्दियों का मौसम आते ही हरी सब्जियों की बहार आ जाती है। इन्हीं में एक बेहद गुणकारी, सस्ती और स्वादिष्ट सब्जी है — बथुआ साग (Bathua Saag)।

यह प्राकृतिक रूप से गेहूँ और सरसों के खेतों में उगता है, लेकिन अब इसकी व्यवस्थित खेती भी बड़े स्तर पर की जाने लगी है। ग्रामीण भारत में बथुआ वर्षों से भोजन और औषधि दोनों रूपों में प्रयोग होता आ रहा है।

पोषण का खजाना है बथुआ बथुआ साग विटामिन और खनिज तत्वों से भरपूर होता है। इसमें प्रमुख रूप से पाए जाते हैं:

- विटामिन A, C, K, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम और फाइबर।
- इसी कारण इसे आयुर्वेद में भी अत्यंत लाभकारी माना गया है।



**बथुआ साग के प्रमुख स्वास्थ्य लाभ**

- \* एनीमिया में लाभकारी — आयरन की भरपूर मात्रा खून की कमी दूर करने में सहायक।
- \* हड्डियाँ और दांत मजबूत — कैल्शियम और विटामिन K हड्डियों को ताकत देते हैं।
- \* पाचन तंत्र दुरुस्त — फाइबर कब्ज, गैस और अपच में राहत देता है।
- \* इम्यूनिटी बढ़ाता है — विटामिन C रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करता है।
- \* त्वचा रोगों में लाभ — खुजली, फोड़े-फुंसों और चर्म रोगों में सहायक।
- \* किडनी के लिए उपयोगी — किडनी स्टोन व संक्रमण में मददगार।
- \* लिवर और हृदय के लिए लाभकारी — शरीर की अंदरूनी सफाई में सहायक।
- स्वाद और सेहत का अनोखा संगम बथुआ से अनेक स्वादिष्ट

व्यंजन बनाए जाते हैं —

- \* बथुआ का साग
- \* बथुआ पराठा
- \* बथुआ रायता
- \* टमाटर के साथ बथुआ की सब्जी

स्वाद के साथ-साथ यह शरीर को गर्माहट और ऊर्जा भी देता है, जो सर्दियों में बेहद लाभकारी है।

**बथुआ की खेती:** कम लागत, अच्छा लाभ आज किसान बथुआ को एक कम लागत और जल्दी तैयार होने वाली फसल के रूप में अपना रहे हैं।

- \* **मौसम:** मुख्यतः सर्दी (अक्टूबर-नवंबर बुवाई, जनवरी-मार्च कटाई)
- \* मिट्टी: दोमट या बलुई दोमट, अच्छी जल निकासी वाली
- \* बुवाई: सीधे खेत में छिड़काव विधि से
- \* बीज दर: 4-6 किलो प्रति हेक्टेयर
- \* दूरी: पौधा से पौधा 20-25 सेमी, लाइन से लाइन 30 सेमी

\* सिंचाई: पहली सिंचाई 20-25 दिन बाद, फिर आवश्यकता अनुसार

\* खाद: गोबर की खाद के साथ हल्की मात्रा में यूरिया/डीएपी

\* फसल अवधि: 40-60 दिन में पहली कटाई, फिर 2-3 कटाईयें संभव

बथुआ की बाजार में अच्छी मांग रहती है और इसका भाव आमतौर पर 40 से 80 रुपये प्रति किलो तक मिल जाता है।

सावधानी हालाँकि बथुआ बहुत लाभकारी है, लेकिन अधिक मात्रा में सेवन करने से कुछ लोगों को गैस या पेट संबंधी समस्या हो सकती है। इसलिए इसे संतुलित मात्रा में ही खाना चाहिए।

बथुआ साग केवल एक सब्जी नहीं, बल्कि प्रकृति का वरदान है। यह सेहत, स्वाद और किसानों की आय में भी सहायक है। इस सर्दी अपने भोजन में बथुआ को जरूर शामिल करें और प्राकृतिक सुपरफूड का लाभ उठाएं।

## कैंसर का चक्रव्यूह — आधुनिक विज्ञान से आयुर्वेद तक, क्या है इस लाइलाज डर की हकीकत?

आज की दुनिया में 'कैंसर' सिर्फ एक बीमारी नहीं, बल्कि एक ऐसा शब्द है जो अच्छे-बले इंसान को अंदर तक झकझोर देता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कैंसर कोई बाहरी दुश्मन नहीं, बल्कि हमारे अपने ही शरीर की बागी कोशिकाएँ हैं?

चिकित्सा विज्ञान में हुई क्रांति और आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान ने आज इस बीमारी के प्रति हमारा नज़रिया बदला है। अब सवाल सिर्फ इलाज का नहीं, शरीर को इलाज के योग्य बनाने का भी है।

**कैंसर क्या है और क्यों होता है? (The Biological Breakdown)** सरल शब्दों में कहें तो, कैंसर तब होता है जब शरीर की कोशिकाएँ पुराने नियमों को तोड़कर अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं। सामान्य स्थिति में कोशिकाएँ मरती हैं और नई कोशिकाएँ बनती हैं, लेकिन कैंसर में यह सेलुलर बैलेंस बिगड़ जाता है।

**सेलुलर बैलेंस बिगड़ने के मुख्य कारण:**

- \* जेनेटिक म्यूटेशन (DNA Damage): तंबाकू, रेडिएशन, रसायन
- \* जीवनशैली: प्रोसेस्ड फूड, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता
- \* कार्सिनोजेन्स: प्रदूषण, कीटनाशक, प्लास्टिक
- \* संक्रमण: HPV, Hepatitis B & C

**ध्यान देने योग्य बात यह है कि**

इनमें से ज्यादातर कारण पोषण, इम्यूनिटी और डिटॉक्स सिस्टम से सीधे जुड़े हुए हैं।

**किन अंगों में होता है सबसे**

**ज्यादा खतरा? WHO के अनुसार:**

**पुरुषों में:**

- \* फेफड़े
- \* मुँह
- \* प्रोस्टेट

**महिलाओं में:**

- \* स्तन
- \* गर्भाशय ग्रीवा

**अन्य:**

- \* आंत (Colon)
- \* लिवर
- \* ब्लड कैंसर

इन सभी में एक कॉमन फैक्टर है:

शरीर की प्रतिरोधक क्षमता और पोषण स्थिति। क्या आयुर्वेद में है इसका उपचार? (The Truth of Ayurveda) आयुर्वेद कैंसर को 'अर्बुद' कहता है। जहाँ आधुनिक चिकित्सा ट्यूमर को टारगेट करती है, वहीं आयुर्वेद इम्यूनिटी, अग्नि (Metabolism) और शरीर की रिकवरी क्षमता पर काम करता है।

**सच्चाई:** \* एडवांस्ड स्टेज में आयुर्वेद को अकेला इलाज मानना जोखिम भरा हो सकता है लेकिन एडजुवेंट थेरेपी के रूप में इसका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

**आयुर्वेद + सही न्यूट्रिशन** = इलाज को सहने की शक्ति = साइड-इफेक्ट्स से उबरने में मदद

**प्रमुख जड़ी-बूटियाँ:** हल्दी, गिलोय, अश्वगंधा, तुलसी (जो शरीर की सृजन, थकान और इम्यूनिटी को संतुलित करने में सहायक मानी जाती हैं)

**आहार और सावधानियाँ:** बचाव ही सबसे बड़ा इलाज (Diet & Nutrition Awareness) यहाँ सबसे



जरूरी बात आती है — इलाज के साथ शरीर को रोज क्या मिल रहा है? और क्या खाएँ?

\* **कृसिफेरस सब्जियाँ:** ब्रोकली, पत्तागोभी

\* **एंटीऑक्सीडेंट फल:** बेरीज, अनार, सिट्रस

\* **साबुत अनाज:** फाइबर युक्त

\* **ग्रीन टी:** पॉलीफेनॉल्स से भरपूर यह सब तभी असर करता है जब भोजन नियमित हो, मात्रा सही हो और शरीर उसे पचा सके।

**क्या न करें? (Precautions)**

- \* अत्यधिक चीनी और नमक
- \* प्लास्टिक में गर्म भोजन
- \* तंबाकू और शराब

ये तीनों इम्यूनिटी सिस्टम के

सबसे बड़े दुश्मन हैं।

**दुर्लभ लेकिन सच**

\* हाथियों में कैंसर कम क्यों होता है? क्योंकि उनमें p53 जीन ज्यादा होता है — जो कोशिकाओं की सुरक्षा करता है।

\* 12-16 घंटे का नियंत्रित उपवास (Autophagy) शरीर की सफाई प्रक्रिया को सक्रिय करता है।

**निष्कर्ष** (सबसे जरूरी हिस्सा) कैंसर का सामना सिर्फ दवाओं से नहीं होता। उसके लिए शरीर को चाहिए:

- \* ताकत
- \* पोषण
- \* संतुलन
- \* निरंतर मार्गदर्शन

1. आधुनिक विज्ञान की सटीकता,
2. आयुर्वेद की सुरक्षा, और

3. व्यक्तिगत न्यूट्रिशन प्लानिंग — तीनों का तालमेल ही वास्तविक रास्ता है। अगर आप या आपका परिवार में कोई इस स्थिति से जूझ रहा है... तो सिर्फ जानकारी पढ़कर रुकना काफी नहीं, जरूरी है यह समझना:

\* शरीर को अभी क्या चाहिए

\* क्या चीज कमजोरी बढ़ा रही है

\* और कैसे पोषण को इलाज का सहायक बनाया जाए

**अगर आप चाहते हैं कि कोई आपकी**

नियमों के भीतर, बिना झूठे वादों के, सही दिशा दिखाए, तो Nutrition & Health Coaching लेना एक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

नियमों के भीतर, बिना झूठे वादों के, सही दिशा दिखाए, तो Nutrition & Health Coaching लेना एक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

नियमों के भीतर, बिना झूठे वादों के, सही दिशा दिखाए, तो Nutrition & Health Coaching लेना एक समझदारी भरा कदम हो सकता है।



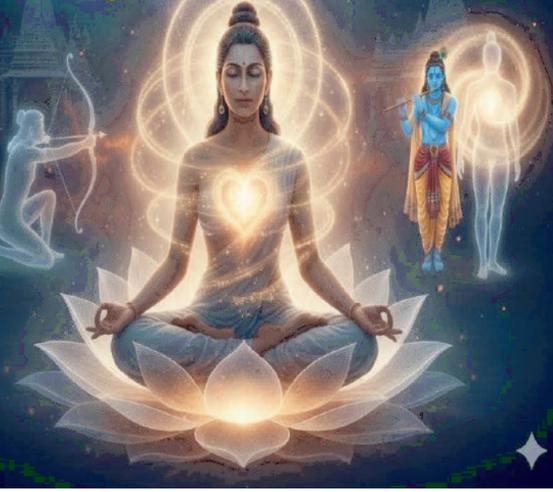
## ब्रह्म और चेतना: आत्म-साक्षात्कार का सार



पिकी कुंडू

सर्व खल्विदं ब्रह्म: निश्चय ही यह सब कुछ ब्रह्म है।  
अहं ब्रह्मास्मि: मैं ही ब्रह्म हूँ।  
अयम् आत्मा ब्रह्म: यह आत्मा ही ब्रह्म है।  
तत्त्वमसि: वह (परमात्मा) तुम ही हो।  
प्रजानं ब्रह्म: बोध या शुद्ध चेतना ही ब्रह्म है।

### सूक्ष्म जगत से संबंध



अध्यात्म के मार्ग पर यदि इन पाँच स्तंभों को आत्मसात कर लिया जाए, तो समस्त शास्त्रों, गीता और उपनिषदों का सार समझ में आ जाता है। फिर किसी अन्य ग्रंथ के अध्ययन की आवश्यकता शेष नहीं रह जाती, क्योंकि ऋषि-मुनि और योगी इन्हीं सत्यों की व्याख्या करते हैं।

1. पंच महावाक्य: अद्वैत का आधार ये वाक्य केवल शब्द नहीं, बल्कि ब्रह्मांडीय सत्य के अनुभव हैं।

\* सर्व खल्विदं ब्रह्म: निश्चय ही यह सब कुछ ब्रह्म है।

\* अहं ब्रह्मास्मि: मैं ही ब्रह्म हूँ।

\* अयम् आत्मा ब्रह्म: यह आत्मा ही ब्रह्म है।

\* तत्त्वमसि: वह (परमात्मा) तुम ही हो।

\* प्रजानं ब्रह्म: बोध या शुद्ध चेतना ही ब्रह्म है।

2. चेतना का रूपांतरण और इष्ट-साधना जब साधक अपनी एकाग्रता और ध्यान को किसी विशेष 'इष्ट' के रूप में केंद्रित करता है, तो उसकी चेतना उसी रूप को धारण करने लगती है। यह साधना की वह पराकाष्ठा है जहाँ साधक और साध्य का भेद समाप्त होने लगता है।

\* गुरु-ध्यान: यदि ध्यान गुरु के स्वरूप में हो, तो चेतना गुरु-तत्त्व में विलीन होने लगती है।

\* समर्पण की शक्ति: यदि पूर्ण समर्पण के साथ ध्येय (लक्ष्य) को जोड़ा जाए, तो चाहे स्वरूप भौतिक हो या सूक्ष्म, उसका दर्शन सुलभ हो जाता है।

\* ऐतिहासिक उदाहरण: इसी विधा के बल पर एकलव्य ने द्रोणाचार्य की प्रतिमा से वह ज्ञान प्राप्त किया जो साक्षात् उपस्थित भी भूलभंग था।

3. सूक्ष्म जगत से संबंध समस्त संतों और महात्माओं ने समाधि के माध्यम से इसी चेतना-शक्ति का उपयोग किया है। इसी मार्ग से उन्होंने

सृष्टि में सूक्ष्म रूप से विद्यमान अदृश्य महात्माओं, योगियों और इष्टों के साथ अपने मानसिक और आत्मिक संबंध स्थापित किए हैं।

4. साकार से निराकार: श्रीकृष्ण का संदेश श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने स्पष्ट किया है कि भक्त उनके साकार रूप का ध्यान करते हैं, जबकि योगी उनके निराकार स्वरूप की उपासना करते हैं।

\* एक मार्ग 'द्वैत' (भक्त और भगवान) के दर्शन कराता है, तो

\* दूसरा 'अद्वैत' (अभेद) की स्थिति तक ले जाता है।

**निष्कर्ष:** अपनी आत्मा और चेतना को ही अपना इष्ट, अपना गुरु और साक्षात् ब्रह्म स्वीकार करें। स्वयं को जानना ही परमात्मा को जानना है।

## भगवान शंकर के पूर्ण रूप काल भैरव

### पिकी कुंडू

ॐ नमः शम्भवाय च मयोभवाय च नमः शंकराय च मयस्कराय च नमः शिवाय च शिवतराय च। तव तत्त्वं न जानामि कौदुशोऽसि महेश्वर। यादृशीसि महादेव तादृशाय नमो नमः ॥ त्रिनेत्राय नमस्तुभ्यं उमादेहाधरिणो।  
भगवान शंकर के पूर्ण रूप काल भैरव एक बार सुमेरु पर्वत पर बैठे हुए ब्रह्माजी के पास जाकर देवताओं ने उनसे अविनाशी तत्व बताने का अनुरोध किया। शिवजी की माया से मोहित ब्रह्माजी उस तत्व को न जानते हुए भी इस प्रकार कहने लगे - मैं ही इस संसार को उत्पन्न करने वाला स्वयंभू, अजन्मा, एक मात्र ईश्वर, अनादी भक्ति, ब्रह्म घोर निरंजन आत्मा हूँ।

मैं ही प्रवृत्ति उर निवृत्ति का मूलाधार, सर्वलीन पूर्ण ब्रह्म हूँ। ब्रह्मा जी ऐसा भी पूरु निरंजनी में विद्यमान विष्णु जी ने उन्हें समझाते हुए कहा की मेरी आज्ञा से तो तुम सृष्टि के रचियता बने हो, मेरा अनादर करके तुम अपने प्रभुत्व की बात कैसे कर रहे हो ?

इस प्रकार ब्रह्मा और विष्णु अपना-अपना प्रभुत्व स्थापित करने लगे और अपने पक्ष के समर्थन में शास्त्र वाक्य उद्धृत करने लगे। अंततः वेदों से पूछने का निर्णय हुआ तो स्वर्ण धारण करके आये चारों वेदों ने क्रमशः अपना मत इस प्रकार प्रकट किया -

**ऋग्वेद** - जिसके भीतर समस्त भूत निहित हैं तथा जिससे सब कुछ प्रवृत्त होता है और जिसे परमात्म कहा जाता है, वह एक रूद्र रूप ही है।

**यजुर्वेद** - जिसके द्वारा हम वेद भी प्रमाणित होते हैं तथा जो ईश्वर के संपूर्ण यज्ञों तथा योगों से भजन किया जाता है, सबका दृष्टा वह एक शिव ही है।

इसके उपरान्त शिवजी ने उसके भीषण होने के कारण भैरव और काल

लसामवेद - जो समस्त संसारी जनों को भ्रमाता है, जिसे योगी जन दूँदुते हैं और जिसकी भाँति से सारा संसार प्रकाशित होता है, वे एक त्र्यम्बक शिवजी ही हैं।

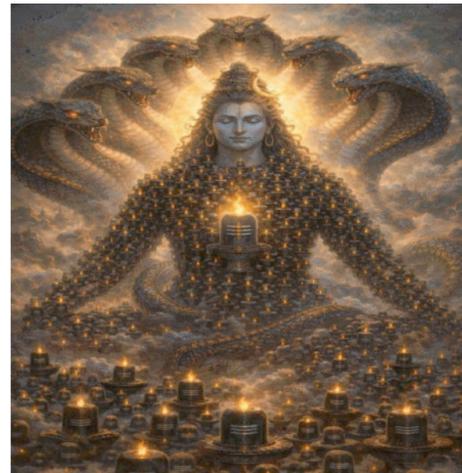
**अथर्ववेद** - जिसकी भक्ति से साक्षात्कार होता है और जो सब या सुख - दुःख अतीत अनादी ब्रह्म हैं, वे केवल एक शंकर जी ही हैं।

विष्णु ने वेदों के इस कथन को प्रताप बताते हुए नित्य शिवा से रमण करने वाले, दिग्बर पीतवर्ण धूलि धूसरित प्रेम नाथ, कुवेटा धारी, सर्वा वैष्टित, वृषन वाही, निःसंग, शिवजी को पर ब्रह्म मानने से इनकार कर दिया। ब्रह्मा-विष्णु विवाद को सुनकर ओंकार ने शिवजी की ज्योति, नित्य और सनातन परब्रह्म बताया परन्तु फिर भी शिव माया से मोहित ब्रह्मा विष्णु की बुद्धि नहीं बदली।

उस समय उन दोनों के मध्य आदि अंत रहित एक ऐसी विशाल ज्योति प्रकट हुई की उससे ब्रह्मा का पंचम सिर जलने लगा। इतने में त्रिशूलधारी नील-लोहित शिव वहां प्रकट हुए तो अज्ञानतावश ब्रह्मा उन्हें अपना पुत्र समझकर अपनी शरण में आने को कहने लगे।

ब्रह्मा की संपूर्ण बातें सुनकर शिवजी अत्यंत क्रुद्ध हुए और उन्होंने तत्काल भैरव को प्रकट कर उससे ब्रह्मा पर शासन करने का आदेश दिया। आज्ञा का पालन करते हुए भैरव ने अपनी बायीं ऊँगली के नखाग्रसे ब्रह्माजी का पंचम सिर काट डाला। भयभीत ब्रह्मा शत रुद्री का पाठ करते हुए शिवजी के शरण हुए। ब्रह्मा और विष्णु दोनों को सत्य की प्रतीति हो गयी और वे दोनों शिवजी की महिमा का गान करने लगे। यह देखकर शिवजी शांत हुए और उन दोनों को अभयदान दिया।

इसके उपरान्त शिवजी ने उसके भीषण होने के कारण भैरव और काल



को भी भयभीत करने वाला होने के कारण काल भैरव तथा भक्तों के पापों को तत्काल नष्ट करने वाला होने के कारण पाप भक्षक नाम देकर उसे काशीपुरी का अधिपति बना दिया। फिर कहा की भैरव तुम इन ब्रह्मा विष्णु को मानते हुए ब्रह्मा के कपाल को धारण करके इसी के आश्रय से भिक्षा वृत्ति करते हुए वाराणसी में चले जाओ। वहां उस नगरी के प्रभाव से तुम ब्रह्म हत्या के पाप से मुक्त हो जाओगे।

शिवजी की आज्ञा से भैरव जी हाथ में कपाल लेकर ज्योंही काशी की ओर चले, ब्रह्म हत्या उनके पीछे पीछे हो चली। विष्णु जी ने उनकी स्तुति करते हुए उनसे अपने को उनकी माया से मोहित न होने का वरदान माँगा। विष्णु जी ने ब्रह्म हत्या के भैरव जी के पीछा करने की माया पृच्छना चाही तो ब्रह्म हत्या ने बताया की वह तो अपने आप को पवित्र और मुक्त होने के लिए भैरव का अनुसरण कर रही है।

भैरव जी ज्योंही काशी पहुंचे त्यों ही उनके हाथ से चिमटा और कपाल छूटकर पृथ्वी पर गिर गया और तब से

उस स्थान का नाम कपालमोचन तीर्थ पड़ गया। इस तीर्थ में जाकर सबिधि पिंडदान और देव-पितृ-तर्पण करने से मनुष्य ब्रह्म हत्या के पाप से निवृत्त हो जाता है।

\* जहाँ शिव का वैराग्य है, वहाँ पार्वती का स्नेह है।

\* जहाँ शिव की स्थिरता है, वहाँ पार्वती की शक्ति है।

जीवन तब संतुलित होता है जब साधना के साथ संवेदना, और शक्ति के साथ शांति का संगम होता है।

संघर्ष में धैर्य रखो, कर्म में विश्वास रखो - हर परीक्षा के बाद कल्याण निश्चित है।

ॐ नमः शिवाय शान्तिरूपाय।  
उमापत्ये नमः सिद्धिदायिने।  
गणेश-स्कन्द-समेतया सर्वमङ्गलकारिणे ॥

ॐ नमो भगवते रुद्राय हर हर महादेव

बाबा भोलेनाथ जी की कृपा आप

पर और आपके परिवार पर सदैव बनी रहे!

## एक ही वृक्ष मिरिस्टिका फ्रैग्रेन्स से प्राप्त जायफल और जावित्री

### पिकी कुंडू

जायफल और जावित्री दोनों एक ही वृक्ष मिरिस्टिका फ्रैग्रेन्स से प्राप्त होने वाले अत्यंत मूल्यवान मसाले हैं। यह वृक्ष मूल रूप से इंडोनेशिया के मोलुकास द्वीपों का देशज है, लेकिन आज चीन, मलेशिया, भारत, श्रीलंका और दक्षिणी अमेरिका के कई क्षेत्रों में भी व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह वृक्ष सदाबहार होता है और इसकी पत्तियों में प्राकृतिक सुगंध मौजूद रहती है।

इसके फल छोटी नाशापीत के समान होते हैं। पकने पर फल दो हिस्सों में फट जाता है और अंदर लाल/सिंदूरी रंग की जालीदार परत दिखाई देती है, जिसे जावित्री कहते हैं। जावित्री के अंदर एक कठोर खोल होता है, जिसके भीतर वास्तविक जायफल पाया जाता है। एक ही फल से यह दोनों मसाले प्राप्त होते हैं। नया पौधा लगभग 7-8 वर्ष में फल देना शुरू करता है।

कब और कैसे लगाएँ? उपयुक्त समय जायफल का पौधा लगाने का सबसे अच्छा समय जून-जुलाई, यानी मानसून की शुरुआत है। गर्म और नम जलवायु में यह वृक्ष तेजी से बढ़ता है और अच्छी तरह विकसित होता है।

बीज से पौधा तैयार करना पके हुए फलों से ताजा बीज निकालें। बीज को अधिक देर न रखें, क्योंकि इसकी अंकुरण क्षमता जल्दी कम हो जाती है। बीज को छाया वाली जगह में बाएँ। सामान्यतः 4-6 सप्ताह में अंकुरण शुरू हो जाता है।

कलम द्वारा पौधा तैयार करना मादा पौधों की संख्या बढ़ाने के लिए वनस्पति उद्यानों में छोटे पौधों पर मादा वृक्ष की टहनियों की कलम लगाई जाती है। इससे फल जल्दी आते हैं और

उत्पादन में सुधार होता है। शुरुआत के 2-3 साल तक पौधे को गमले में उगाया जा सकता है, लेकिन बाद में इसे जमीन में लगाना बेहतर है, क्योंकि यह वृक्ष बड़ा होता है।

मिट्टी, जगह और सिंचाई जायफल के लिए हल्की, उपजाऊ, दोमट और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी सर्वोत्तम होती है। मिट्टी में भरपूर जैविक खाद होनी चाहिए। पौधे को हल्की छाया पसंद है, पर पूरी छाया में इसकी वृद्धि धीमी पड़ सकती है।

गर्मियों में नियमित हल्की सिंचाई दें। मिट्टी को हमेशा नमीदार रखें, पर जलभराव न होने दें। साल में दो बार गोबर खाद, नीम खली या अन्य जैविक खाद देकर पौधे की वृद्धि को बेहतर बनाया जा सकता है। तेज धूप और तेज हवाओं से पौधे की रक्षा करें, क्योंकि यह धीरे-धीरे बढ़ने वाली प्रजाति है।

जायफल और जावित्री के फायदे जायफल और जावित्री दोनों के फायदे अलग-अलग होते हैं।

दोनों एक ही फल से आते हैं, लेकिन स्वभाव, प्रभाव और उपयोग अलग हैं। जायफल के फायदे जायफल बीज होता है और इसका प्रभाव थोड़ा गर्म, शांत करने वाला और पाचन सुधारने वाला होता है।

पाचन के लिए श्रेष्ठ पाचन को सामान्य करता है। गैस, अपच, दस्त, पेट दर्द में राहत।

नींद लाने में मदद रात्रि में दूध में चुटकी भर जायफल नींद सुधारने में उपयोगी है। दर्द और सूजन में राहत जोड़, मांसपेशियों, सिरदर्द में लाभ देता है।

तनाव और चिंता कम दिमाग को शांत



जायफल और जावित्री दोनों एक ही वृक्ष

करता है त्वचा के लिए इसके एंटीबैक्टीरियल गुण मुंहासे कम करके चेहरे की चमक बढ़ाता है पुरुष स्वास्थ्य प्राकृतिक शक्ति और ऊर्जा बढ़ाने में सहायक। जावित्री के फायदे जावित्री बीज के ऊपर की लाल झिल्ली है। इसका प्रभाव सुगंधित, पाचक और रक्त-संचार बढ़ाने वाला होता है।

भूख बढ़ाने और पाचन सुधारने में खाने में सुगंध देकर पाचन एंजाइम बढ़ाती है। गैस, पेट फूलना, अपच में उपयोगी होता है। एंटीबैक्टीरियल गुण संक्रमण, फंगल, बैक्टीरिया से लड़ने में सहायक हैं।

रक्त संचार में सुधार थकान और कमजोरी में लाभ मिलता है। शरीर में गर्माहट

बढ़ाती है दर्द निवारक जावित्री का तेल मांसपेशियों के दर्द, जोड़ों के दर्द में उपयोगी है।

\* महिलाओं के लिए लाभकारी\* शरीर को गर्माहट देता है। मासिक धर्म के दर्द में राहत मिलता है।

स्वाद और सुगंध बढ़ाने में सर्वश्रेष्ठ बिरयानी, सूप, सॉस में उपयोगी है। रंग व सुगंध दोनों बढ़ाती है।

जायफल और जावित्री में मुख्य अंतर जायफल और जावित्री भले ही एक ही फल से आते हैं, लेकिन दोनों का स्वाद, उपयोग और औषधीय प्रभाव अलग-अलग होता है।

\* जायफल एक कठोर बीज होता है जिसका स्वाद हल्का मीठा और प्रभाव अधिक गर्म माना जाता है। यह नींद सुधारने, तनाव कम करने, पाचन सुधारने और दर्द में राहत देने में विशेष रूप से उपयोगी है।

\* जायफल का प्रयोग मिठाइयों, दूध और हल्के व्यंजनों में किया जाता है। इसकी दैनिक मात्रा - 1 ग्राम पर्याप्त है, इससे अधिक मात्रा नहीं लेनी चाहिए।

**दूसरी ओर,** \* जावित्री बीज के बाहर की सुगंधित लाल परत होती है। यह जायफल की तुलना में अधिक सुगंधित और हल्की तीखी होती है। इसका प्रभाव रक्त संचार बढ़ाने, पाचन सुधारने और भोजन की सुगंध बढ़ाने में प्रमुख है।

\* इसका उपयोग बिरयानी, पुलाव, गरम मसाला, सूप और मसालेदार व्यंजनों में अधिक होता है। इस प्रकार, भले ही दोनों एक ही वृक्ष से प्राप्त होते हैं, उनके औषधीय गुण, स्वाद और पाक उपयोग स्पष्ट रूप से अलग हैं।

## कैल्शियम कहाँ से प्राप्त करें (आयुर्वेदिक शास्त्र एवं ज्ञान)

### पिकी कुंडू

अगर आप दूध पीना पसंद नहीं करते हैं, तो नीचे वर्णित चीजों को खाने से कैल्शियम कि कमी पूरी हो सकती है।

मनुष्य के लिए कैल्शियम अति आवश्यक है। आइए जानते हैं कैल्शियम कहाँ से प्राप्त करें:

1. बीज अलसी, कद् और तिल के बीज कैल्शियम के अच्छे स्रोत होते हैं। इनमें कैल्शियम के साथ-साथ प्रोटीन और ओमेगा-3 फैटी एसिड भी पर्याप्त मात्रा में होता है।

2. दही एक कप सादे दही में 30 प्रतिशत कैल्शियम के साथ-साथ फास्फोरस, पोटेशियम, विटामिन B2 और B12 होता है, इसीलिए यदि आपको दूध नहीं पसंद तो आप दही खा सकते हैं।

3. बीन्स एक कप बीन्स में 24 प्रतिशत तक कैल्शियम होता है इसीलिए बीन्स को



नहीं होगी कैल्शियम की कमी

आपनी डाइट में शामिल करने से शरीर में कैल्शियम की कमी पूरी हो जाती है।

4. पनीर पनीर में भी भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है। पनीर सेवन करने से शरीर में कैल्शियम के साथ-साथ प्रोटीन की भी कमी भी पूरी हो जाती है।

5. बादाम बादाम खाने से भी हड्डियाँ मजबूत होती हैं क्योंकि इसमें भी कैल्शियम पाया जाता है।

6. पालक पालक में भी भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है। 100 ग्राम पालक में 99 मि.ली कैल्शियम होता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हफ्ते में कम से कम 3 बार पालक जरूर खाएँ।

7. सोया दूध या टोफू अगर आपको दूध पीना पसंद नहीं है तो आप सोया दूध या टोफू को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इनका स्वाद दूध के स्वाद से काफी अलग होता है। इनमें कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होता है।

8. भिंडी एक कटोरी भिंडी में 40 ग्राम कैल्शियम होता है। भिंडी को हफ्ते में दो बार खाने से दाँतों खराब नहीं होते और हड्डियाँ भी मजबूत होती हैं।

## भारत के 50 सबसे प्रसिद्ध मेले

### पिकी कुंडू

- उत्तर भारत
- कुंभ मेला - प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक
  - माघ मेला - प्रयागराज
  - पुष्कर मेला - पुष्कर, राजस्थान
  - सोनपुर मेला - सोनपुर, बिहार
  - सूरजकुंड मेला - फरीदाबाद
  - हैमिस गोम्पा मेला - लद्दाख
  - होला मोहल्ला - आनंदपुर साहिब
  - नंदा देवी राज जात - उत्तराखंड
  - गंगा सागर मेला - पश्चिम बंगाल
  - दशहरा मेला - कुल्लू, हिमाचल प्रदेश
  - गणगौर मेला - राजस्थान, गुजरात
  - रण उत्सव - कच्छ, गुजरात
  - तरणेतार मेला - गुजरात
  - बाणगंगा मेला - राजस्थान

- पूरुव भारत
- मारवाड़ समारोह - जोधपुर
  - डेजर्ट फेस्टिवल - जैसलमेर
  - गणेश चतुर्थी - महाराष्ट्र, दक्षिण भारत
  - ओणम - केरल
  - पोंगल - तमिलनाडु
  - हंपी उत्सव - कर्नाटक
  - मैसूर दशहरा - कर्नाटक
  - त्रिसूर पूरम - केरल
  - अट्टुकल पोंगल - केरल
  - महामहम - तमिलनाडु पूर्व भारत
  - रथ यात्रा - पुरी, ओडिशा
  - दुर्गा पूजा - पश्चिम बंगाल
  - बिहु - असम
  - हॉर्नबिल फेस्टिवल - नागालैंड
  - लोसार फेस्टिवल - अरुणाचल प्रदेश
  - अंबुबाची मेला - असम
  - सागा दावा - सिक्किम उत्तर - पूर्व भारत
  - खर्ची पूजा - त्रिपुरा

- उत्तर-पूरुव भारत
- खर्ची पूजा - त्रिपुरा
  - मोआत्सु मोंग नागालैंड
  - वांगला महोत्सव - मेघालय
  - चापचर कुट - मिजोरम अन्य प्रसिद्ध मेले
  - श्रावणी मेला - देवघर, झारखंड
  - पितृ पक्ष मेला गया, बिहार
  - कामाख्या मेला असम
  - बाबा श्याम मेला - सीकर, राजस्थान
  - नागौर मेला - राजस्थान
  - मैदारम जतरा - तेलंगाना
  - चित्र विचित्र मेला - गुजरात
  - चंद्रभागा मेला - राजस्थान
  - चंद्रभागा मेला - ओडिशा
  - कार्निवल - गोवा
  - नौचंदी मेला - मेरठ, उत्तर प्रदेश
  - बटेश्वर मेला आगरा, उत्तर प्रदेश
  - कपाल मोचन मेला - हरियाणा
  - गंगा मेला - कानपुर, उत्तर प्रदेश
  - कजरी तीज - उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश

**भारत के 50 सबसे प्रसिद्ध मेले**

**उत्तर भारत**

- कुंभ मेला - प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, नासिक
- माघ मेला - प्रयागराज
- पुष्कर मेला - पुष्कर, राजस्थान
- सोनपुर मेला - सोनपुर, बिहार
- सूरजकुंड मेला - फरीदाबाद, हरियाणा
- हैमिस गोम्पा मेला - लद्दाख
- होला मोहल्ला - आनंदपुर साहिब, पंजाब
- नंदा देवी राज जात - उत्तराखंड
- गंगा सागर मेला - पश्चिम बंगाल
- दशहरा मेला - कुल्लू, हिमाचल प्रदेश

**पश्चिम भारत**

- गणगौर मेला - राजस्थान, गुजरात
- रण उत्सव - कच्छ, गुजरात
- तरणेतार मेला - गुजरात
- बाणगंगा मेला - राजस्थान
- मारवाड़ समारोह - जोधपुर, राजस्थान
- डेजर्ट फेस्टिवल - जैसलमेर, राजस्थान
- गणेश चतुर्थी - महाराष्ट्र

**दक्षिण भारत**

- ओणम - केरल
- पोंगल - तमिलनाडु
- हंपी उत्सव - कर्नाटक
- मैसूर दशहरा - कर्नाटक
- त्रिसूर पूरम - केरल
- अट्टुकल पोंगल - केरल
- महामहम - तमिलनाडु

**अन्य प्रसिद्ध मेले**

- श्रावणी मेला - देवघर, झारखंड
- पितृ पक्ष मेला - गया, बिहार
- कामाख्या मेला - असम
- बाबा श्याम मेला - सीकर, राजस्थान
- नागौर मेला - राजस्थान
- मैदारम जतरा - तेलंगाना
- चित्र विचित्र मेला - गुजरात
- चंद्रभागा मेला - राजस्थान
- चंद्रभागा मेला - ओडिशा
- कार्निवल - गोवा
- नौचंदी मेला - मेरठ, उत्तर प्रदेश
- बटेश्वर मेला - आगरा, उत्तर प्रदेश
- कपाल मोचन मेला - हरियाणा
- गंगा मेला - कानपुर, उत्तर प्रदेश
- कजरी तीज - उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश

## समाधान शिविर जिलावासियों के लिए हो रहे लाभकारी साबित : डीसी सुशासन नीति को सशक्त करने में समाधान शिविर मजबूत कड़ी

परिवहन विशेष न्यूज

झज्जर, 22 जनवरी। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निपटारे के उद्देश्य से वीरवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए अविचल समाधान के निर्देश दिए।

डीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार की पहल पर आयोजित समाधान शिविर नागरिकों के लिए लाभकारी साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर की पहल से नागरिकों को अपनी समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर मिल रहा है। शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने

संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी ने समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य लोगों को समयबद्ध और प्रभावी समाधान प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इससे न केवल लोगों की समस्याओं को सुनने का अवसर मिलता है, बल्कि प्रशासनिक कार्यप्रणाली को भी अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाया जा सकता है। यह शिविर शासन की सुशासन नीति को सशक्त करने में भी सहायक सिद्ध हो रहा



है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए, ताकि आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़े। समाधान शिविर में नौ समस्याएं रखी

गईं। इस अवसर पर एडीसी जगननवास, एसडीएम झज्जर अंकित कुमार चौकसे आईएसएस, सीटीएम नमिता कुमारी, सीईओ जिला परिषद मनीष फोगाट, डीआरओ

मनबीर, डीडीपीओ निशा तंवर, एसीपी अनिल कुमार, सीएम विंडो एमिनेंट परसन सज्जन गुरजर व कर्पटी निवारण कमेटी के मंत्री गौरव सैनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



**कार्यालयों में सफाई व्यवस्था का ध्यान रखें अधिकारी-कर्मचारी : डीसी**  
कार्यालय में कंडम समान को कंडमनेशन बोर्ड से कंडम घोषित करवाएं अधिकारी डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने लघु सचिवालय परिसर का किया निरीक्षण

झज्जर, 22 जनवरी। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने गुरुवार को सुबह लघु सचिवालय परिसर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों, अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने कार्यालयों में स्वच्छता का ध्यान रखने के निर्देश दिए।

डीसी ने कहा कि कार्यालय में जो भी पुराना रिकार्ड है, उसका नियमानुसार निस्तारण किया जाए, जिससे कार्यालय में खाली स्पेस बनेगा। इसके अलावा मौजूदा रिकार्ड को सुव्यवस्थित तरीके से रखा जाए। वही जिस कार्यालय में कंडम समान है उसे कंडमनेशन बोर्ड से कंडम घोषित करवाएं और विभाग से अनुमति लेकर डिस्पोज आफ करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी समय पर ड्यूटी पर आएँ और नागरिकों के कार्यों को प्राथमिकता से और समयबद्ध तरीके से निपटाएँ। उन्होंने कर्मचारियों को यह भी निर्देश दिए कि वे फाइलों और दस्तावेजों के रखरखाव में भी सफाई और अनुशासन का ध्यान रखें ताकि जनता को बेहतर और सुगम सेवाएं मिल सकें। डीसी ने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी तय समय पर अपने कार्यालय पहुंचकर अपना कार्य शुरू करें। कार्यालयों में लेट लतीफी सहन नहीं होगी। कर्मचारी का नियमानुसार दायित्व बनना है कि अपना स्टेशन मटेन करें और निर्धारित किए गए समय पर कार्यालय पहुंचें। डीसी ने कहा कि सफाई कार्य प्रतिदिन करने से ही लघु सचिवालय परिसर साफ सुथरा रहेगा। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।



## प्रॉपर्टी टैक्स व डेवलपमेंट चार्ज डिफॉल्टरों पर नगर परिषद की बड़ी कार्रवाई, 11 दुकानें व भवन सील

नागरिक जल्द से जल्द जमा कराएँ प्रॉपर्टी टैक्स और डेवलपमेंट चार्ज:एसडीएम

नगर परिषद की टीम ने शहर के पटेल नगर, उद्योग नगर, छोट्टराम नगर सहित अन्य क्षेत्रों में चलाया अभियान

बहादुरगढ़, 22 जनवरी। प्रॉपर्टी टैक्स और डेवलपमेंट चार्ज की बकाया राशि जमा न कराने वाले डिफॉल्टरों के खिलाफ बहादुरगढ़ नगर परिषद ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार को एसडीएम अभिनव सिवाच (आईएसएस) की मौजूदगी में नगर परिषद की टीम ने शहर के विभिन्न इलाकों में कार्रवाई करते हुए कुल 11 दुकानों और भवनों को सील किया।

उल्लेखनीय है कि एक रोज पूर्व उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने

बहादुरगढ़ शहर का निरीक्षण करते हुए अतिक्रमण हटाने, अवैध प्लांटिंग की रोकथाम तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश प्रशासनिक अधिकारियों को दिए। गुरुवार को अधिकारियों की टीम ने शहर में अभियान चलाते हुए कार्रवाई की।

नगर परिषद अधिकारियों ने बताया कि संबंधित दुकान व भवन मालिकों को बकाया राशि जमा कराने के लिए कई बार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने न तो प्रॉपर्टी टैक्स और न ही डेवलपमेंट चार्ज जमा करवाया। मजबूरन नगर परिषद को सीलिंग की कार्रवाई करनी पड़ी।

यह कार्रवाई पटेल नगर, उद्योग नगर, छोट्टराम नगर तथा श्याम जी कॉम्प्लेक्स



सहित विभिन्न क्षेत्रों में की गई। इसके साथ ही नगर परिषद सीमा में बिना नक्शा पास करवाएँ निर्माण कार्य करने वाले भवनों के

खिलाफ भी कार्रवाई अमल में लाई गई। एसडीएम अभिनव सिवाच ने मौके पर स्पष्ट किया कि सभी डिफॉल्टर जल्द से

जल्द अपना प्रॉपर्टी टैक्स और डेवलपमेंट चार्ज जमा करवाएँ, अन्यथा भविष्य में भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में किसी भी घर या अन्य इमारत का निर्माण कार्य शुरू करने से पहले नगर परिषद से नक्शा पास करवाना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कोई ढील नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर परिषद का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। ऐसे में नागरिक समय रहते अपने टैक्स जमा कराएँ। एसडीएम ने कहा कि यह टैक्स का पैसा शहरवासियों की मूलभूत सुविधाओं के लिए किया जाता है। सभी अपना हाउस टैक्स, प्रॉपर्टी टैक्स, डेवलपमेंट टैक्स समय पर जमा करवाएँ ताकि शहर के विकास कार्यों को और तेज गति प्रदान की जा सके।

## बहादुरगढ़ में ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई, 16 वाहनों के साठे चार लाख रुपये से ज्यादा के चालान

परिवहन विशेष न्यूज

बहादुरगढ़, 22 जनवरी। देश राजधानी की सीमा से सटे बहादुरगढ़ शहर में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया गया है। बीती रात एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच (आईएसएस) की उपस्थिति में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) के इंस्पेक्टर नसीब सिंह के नेतृत्व में टीम द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शहर के औद्योगिक क्षेत्र स्थित मामा चौक सहित विभिन्न स्थानों पर जांच करते हुए कुल 16 ओवरलोड वाहनों के चार लाख 60 हजार रुपये के चालान किए गए।

उल्लेखनीय है कि उद्योगियों ने बुधवार को सुबह डीसी से मुलाकात कर

ओवरलोड वाहनों के खिलाफ शिकायत की थी। जिसके चलते डीसी ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

आरटीए टीम ने प्रत्येक वाहन की गहन जांच की और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर मौके पर ही चालान काटे। प्रशासन की इस सख्ती से यह स्पष्ट संदेश गया कि बहादुरगढ़ शहर में ओवरलोड वाहनों को किसी भी सुरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसडीएम अभिनव सिवाच ने कहा कि उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल के मार्गदर्शन में बहादुरगढ़ में यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। ओवरलोड वाहन न केवल सड़क सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि सड़क ढांचे को भी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में आम नागरिकों

की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने आरटीए टीम को निर्देश दिए कि ओवरलोड वाहनों की नियमित और निरंतर जांच की जाए तथा नियम तोड़ने वालों के खिलाफ बिना किसी हिलाई के चालान की कार्रवाई जारी रखी जाए। एसडीएम ने वाहन चालकों से भी अपील की कि वे निर्धारित मानकों के अनुरूप ही वाहन चलाएँ और यातायात नियमों का पालन कर प्रशासन का सहयोग करें।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भी इस तरह के विशेष चेकिंग अभियान जारी रहेंगे, ताकि बहादुरगढ़ शहर को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और दुर्घटनामुक्त बनाया जा सके।



## फार्मर आईडी से ही मिलेगा पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ : डीसी

सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए किसान जरूर बनवाएँ एग्रीस्टैक फार्मर आईडी

फार्मर आईडी को लेकर जिला के सभी गांवों में जा रही है विभागीय टीम

झज्जर, 22 जनवरी। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि एग्रीस्टैक फार्मर आईडी प्रत्येक किसान के लिए अनिवार्य है। इस आईडी के बनने के बाद ही किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य कृषि संबंधी योजनाओं का लाभ मिल

सकेगा। उन्होंने बताया कि फार्मर आईडी को लेकर जिला के सभी गांवों में विभागीय टीम जा रही है, जहां किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ फार्मर आईडी बनाने का कार्य लगातार जारी है। डीसी ने किसानों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द एग्रीस्टैक फार्मर आईडी बनवाएँ और इस कार्य में टीमों का सहयोग करें। साथ ही अन्य किसानों को भी फार्मर आईडी बनवाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि भविष्य में सभी सरकारी कृषि योजनाओं का लाभ एग्रीस्टैक फार्मर आईडी

के माध्यम से ही दिया जाएगा। डीसी ने बताया कि फार्मर आईडी बनाने का मुख्य उद्देश्य किसानों की पहचान को सुरक्षित करना और उन्हें सरकारी सेवाओं का सीधा लाभ उपलब्ध कराना है। इसके लिए अधिकारी मिशन मोड में कार्य करें ताकि प्रत्येक किसान की एग्रीस्टैक फार्मर आईडी बन सके। उन्होंने बताया कि भविष्य में बैंक ऋण, पीएम किसान सम्मान निधि, फसल क्षतिपूर्ति, खाद-बीज तथा विभिन्न कृषि अनुदान आधारित योजनाओं का लाभ

एग्रीस्टैक फार्मर आईडी के माध्यम से ही दिया जाएगा। फार्मर आईडी के लिए ये दस्तावेज जरूरी डीसी ने बताया कि एग्रीस्टैक फार्मर आईडी बनवाने के लिए किसानों को मोबाइल नंबर से लिंक आधार कार्ड, पिछली फसल के लिए मेरी फसल मेरा पंजीकरण की प्रतियां जमा करने से संबंधित फर्द साथ लाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि किसान स्वयं भी एग्रीस्टैक फार्मर आईडी के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

एग्रीस्टैक फार्मर आईडी के माध्यम से ही दिया जाएगा। फार्मर आईडी के लिए ये दस्तावेज जरूरी डीसी ने बताया कि एग्रीस्टैक फार्मर आईडी बनवाने के लिए किसानों को मोबाइल नंबर से लिंक आधार कार्ड, पिछली फसल के लिए मेरी फसल मेरा पंजीकरण की प्रतियां जमा करने से संबंधित फर्द साथ लाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि किसान स्वयं भी एग्रीस्टैक फार्मर आईडी के लिए पंजीकरण कर सकते हैं।



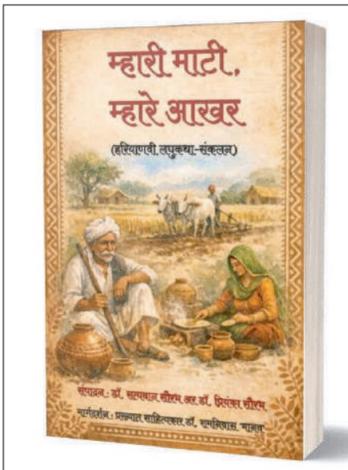
## हरियाणवी बोली की लघुकथाओं के लिए आमंत्रण

'म्हारी माटी, म्हारे आखर' लघुकथा-संग्रह की तैयारी हरियाणवी बोली, संस्कृति और लोक-जीवन को साहित्य के माध्यम से संरक्षित एवं समृद्ध करने के उद्देश्य से 'म्हारी माटी, म्हारे आखर' शीर्षक से हरियाणवी लघुकथाओं का एक विशेष संकलन तैयार किया जा रहा है। इस संकलन के लिए प्रदेश भर के रचनाकारों से शुद्ध हरियाणवी बोली में लिखी गई लघुकथाएँ आमंत्रित की गई हैं।

संकलन के संपादक डॉ. सत्यवान सौरभ एवं डॉ. प्रियंका सौरभ ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पुस्तक में कुल 51 चयनित लघुकथाकारों की रचनाओं को स्थान दिया जाएगा। प्रत्येक रचनाकार तीन लघुकथाएँ भेज सकता है। प्रत्येक लघुकथा की अधिकतम शब्द-सीमा 150 शब्द निर्धारित की गई है, जबकि लेखक का संक्षिप्त परिचय 100 शब्दों में अनिवार्य रूप से भेजना होगा।

उन्होंने बताया कि भेजी जाने वाली सभी लघुकथाएँ शुद्ध हरियाणवी बोली में होनी चाहिए। चयनित लेखकों को पुस्तक की प्रकाशित कीमत पर 30 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी, हालांकि पुस्तक खरीदना अनिवार्य नहीं होगा।

यह लघुकथा-संग्रह हरियाणवी भाषा, संस्कृति और सामाजिक विषयों की सजीव अभिव्यक्ति प्रस्तुत करने का एक सार्थक प्रयास होगा। इस संकलन के मार्गदर्शक प्रख्यात साहित्यकार डॉ. रामनिवास 'मानव' होंगे। इच्छुक रचनाकार अपनी लघुकथाएँ यूनिकोड फॉन्ट में टाइप कर, अपनी फोटो के साथ ई-मेल के माध्यम से भेज सकते हैं।



लघुकथाएँ भेजने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है।

ई-मेल: satyawnsaurabh333@gmail.com (डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी) (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।

## सरकार की नई योजना

पिकी कुंडू आज से, '104' भारत में रक्त की आवश्यकता के लिए विशेष नंबर बन गया है। इस सेवा को रक्त ऑन कॉल कहा जाता है। इस नंबर पर कॉल करने के बाद, 40 किलोमीटर के दायरे में 4 घंटे के भीतर रक्त पहुंचाया जाएगा। शुल्क: 450 रुपये प्रति बोटल और परिवहन के लिए 100 रुपये। कृपया इस संदेश को अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और ग्रुप्स में फॉरवर्ड करें। इस सुविधा से कई जानें बचाई जा सकती हैं।



## महावीर व्यायामशाला, देवघर में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा द्वितीया वर्षगांठ धूमधाम से मनाया गया

परिवहन विशेष न्यूज, देवघर। स्थानीय एम० आर० टी० चौक स्थित महावीर व्यायामशाला के बजरंगवली मंदिर में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीया वर्षगांठ धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परिसर को फूलों-पुष्पों व आकर्षक लाइटों से सजाया गया। विधिवत पूजा व आरती की गई। जय श्री राम के गूजों से व गजों-बाजों से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। सारे आगतुक भक्ति में सराबोर हो गये। और भक्ति रस में डूब गए। भक्तों के बीच लड्डू मिठाई वितरण किया गया।



## यूपी अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत में कानपुर में उमड़े भाजपाई : जाम से हुई भारी परेशानी

सुनील बाजपेई कानपुर। उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष बनने के बाद आज गुरुवार को पहली बार कानपुर आएं पंकज चौधरी के स्वागत में भाजपाओं का जमून मजदूरी पड़ा। इस दौरान कई जगह जाम लगे के फलस्वरूप राहगीरों को भी भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं में त्रास में भिड़ंत भी हुई। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आगमन पर इस भव्य स्वागत के दौरान जामग्रस्त से शहर में प्रवेश करते समय गंगा के रास्ते नावों से केसरिया गुब्बारे भी उड़ते गए। इस तनावपूर्ण स्वागत में मजबूत आस्था की संकेत भागीदारी भी देखने को मिली। इस बीच गंगा घाट से तैकर शहर की सीमा तक त्रसाह का गहलैल नजर आया।

उठा। यही नहीं प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर जामग्रस्त और त्रासपास के गहनों पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। कई स्थानों पर जाम की रिश्तों भी बनीं, जिससे राहगीरों को भी भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा। आज गुरुवार को यहाँ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के स्वागत को नया बनाने के लिए जामग्रस्त स्थित स्वागत स्थल पर करीब 200 किन्ती फूलों की व्यवस्था की गई थी। रोड शो के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिवादन किया गया। उनके स्वागत के दौरान साँद रेशम अदरबी, विधायक सुरेंद्र बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने जैसीभी शरीरव के जरिए प्रदेश अध्यक्ष पर फूल बरसाए। इस दौरान डोल-नगाड़ों और नारों से पूरा इलाका गूंज



# भारत और नामीबिया ने लोकतांत्रिक सहयोग को मजबूत करने के लिए दिल्ली में चुनावी समझौते पर हस्ताक्षर किए

संगीनी घोष

भारत और नामीबिया ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन सम्मेलन (ICDEM) 2026 के दौरान चुनावी सहयोग से संबंधित एक समझौते



वैश्विक महत्ता और लोकतांत्रिक संवाद में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

इस समझौता ज्ञान का उद्देश्य दोनों देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के बीच सहयोग को सुदृढ़ करना है। इसके तहत प्रशिक्षण कार्यक्रमों, क्षमता निर्माण और चुनावों के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं प्रभावी संचालन से

जुड़ी सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मतदाता जागरूकता, निर्वाचन सूची की सटीक तैयारी और चुनावी प्रक्रियाओं में तकनीक के बेहतर उपयोग जैसे क्षेत्रों में यह साझेदारी दोनों देशों की चुनावी व्यवस्था को और



मजबूत बनाने में सहायक होगी।

यह समझौता तीन दिवसीय ICDEM 2026 सम्मेलन के दौरान किया गया, जिसका आयोजन भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा किया गया है। सम्मेलन में दुनिया भर से चुनाव आयुक्त, नीति-निर्माता, शिक्षाविद और लोकतंत्र विशेषज्ञ शामिल हुए हैं। यहां वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों, जैसे

चुनावी शुचिता बनाए रखना, गलत सूचना से निपटना और नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा की गई।

सम्मेलन के दौरान भारतीय अधिकारियों ने हाल के चुनावों और सुधारों से जुड़े अनुभव साझा किए और भारत की व्यापक चुनाव प्रबंधन प्रणाली को अन्य लोकतंत्रों के लिए एक उपयोगी मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। विभिन्न क्षेत्रों से आए

प्रतिनिधियों ने इस बात पर विचार-विमर्श किया कि बदलते राजनीतिक और तकनीकी परिवेश में चुनावी संस्थान किस प्रकार स्वयं को अनुकूल बना सकते हैं और जनता का विश्वास बनाए रख सकते हैं।

भारत-नामीबिया के बीच यह चुनावी सहयोग समझौता दोनों देशों के लंबे और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को भी दर्शाता है, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और आपसी सहयोग पर आधारित रहे हैं। इस औपचारिक साझेदारी के माध्यम से दोनों देशों ने न केवल अपने-अपने लोकतांत्रिक संस्थानों को सशक्त करने, बल्कि वैश्विक स्तर पर निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय चुनावों को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

## योगी सरकार ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य मानने से किया इनकार, शिविर के बाहर नोटिस चस्पा!

पिंकी कुंडू

सोमवार देर रात मेला प्राधिकरण ने शंकराचार्य को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। इससे पहले शंकराचार्य ने सोमवार दोपहर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- प्रशासन के माफी न मांगने तक हम अपने आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। फुटपाथ पर ही रहेंगे। क्योंकि, शंकराचार्य जब भी इतिहास में स्नान करने गए हैं, पालकी में ही गए हैं। मैं प्रण लेता हूँ कि हर मेले के लिए प्रयागराज आऊंगा, लेकिन कभी भी शिविर में



योगी सरकार ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य मानने से किया इनकार, मेला प्रशासन ने शिविर के बाहर नोटिस चस्पा!

नहीं, फुटपाथ पर रहूंगा। इसके बाद माघ मेला प्रशासन ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस जारी किया है। नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा गया है कि किसी भी धर्माचार्य का ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेक नहीं हुआ है, इसके बावजूद शिविर के बोर्ड पर खुद को शंकराचार्य प्रदर्शित करना इस आदेश की अवहेलना है। प्रशासन ने 24 घंटे के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। देर रात नोटिस लेकर पहुंचे कानूनीगो को समर्थकों ने यह कहते हुए लोटा दिया कि सुबह आइए। अभी कोई पदाधिकारी नहीं है जो नोटिस रिसीव कर सके।

## ज्ञान का प्रकाश

जीवन में साधना व सफलता के लिए, हम राह से नहीं भटके कभी भी ऐसा विश्वास बनूँ मैं, मन कभी ना भटके, अज्ञानता का मिटे अंधेरा माँ शारदे हमें ज्ञान का प्रकाश दो।



मनन की गहराईयों से चिंतन में चित लगे, कभी टूटे ना यहाँ हमारा विश्वास तभी तो मिलेगा हमें उजालों भरा आकाश, ध्यान और एकाग्रता में हमारा मन लगे माँ शारदे हमें ज्ञान का प्रकाश दो।

जदिगी में आगे बढ़ने के लिए ज्ञान जरूरी है, माँ शारदे आप करती हो अन्धकार का नाश। हम पूछें, सबको पढ़ाएँ ज्ञान का पाठ, तभी तो बनेगा सतरंगी आकाश फैलेगी चारों ओर सकारात्मकता की लालिमा, माँ शारदे हमें ज्ञान का प्रकाश दो।  
स्वरचित रचना  
रचनाकार हरिहर सिंह चौहान जबरी बाग नसिया इन्दौर मध्य-प्रदेश

## युवराज - क्यों? ठिठके कदम...!

सोच रहा हूँ क्यों? 'ठीठके' हैं सबके कदम, सैकड़ों लोग पुलिस-फायरकर्मियों का दम। क्यों? नहीं बचा पाए एक युवराज की जान, मॉल बनाने खोदे गहरे गड्ढे में निकले प्राण।

तमाशाईयों का हर डूबने वाले पे अफसोस, अच्छा होता गर खवानेर में लगा देते सोर्स। कार के ऊपर खड़े शोर मचाते रहे युवराज, अपने घर-परिवार का था इकलौता चिराग।

हे वतनपरतर्से मदद करने की कोशिश करें, इसानियत की 'अहमियत' को समझते रहें। अपने घर के चिरागों को हमेशा रोशन करो, कोई मौत के आगोश में न जाये ध्यान धरें। (संदर्भ-इंजी. युवराज की गहरे गड्ढे में गिरने से मृत्यु)

संजय एम तराणेकर  
(कवि, लेखक व समीक्षक)  
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)



## गोपाल निकुंज सेवा संस्थान में निकुंजवासी ब्रजकिशोरी शरण (माताजी) का त्रिदिवसीय 28 वां वार्षिक निकुंज प्रवेशोत्सव धूमधाम से प्रारम्भ



(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

**वृन्दावन।** राधा निवास-गोविंद कुंड क्षेत्र स्थित श्रीगोपालनिकुंज सेवा संस्थान में ठाकुर श्रीगोपालजी महाराज का पाटोत्सव एवं निकुंजवासी संत शिरोमणि ब्रजकिशोरी शरण (माताजी) का त्रिदिवसीय 28 वां वार्षिक निकुंज प्रवेशोत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ प्रारंभ हो गया है। जिसके प्रथम दिन अंतर्गत अष्टयाम सेवा महावाणी, अखंड युगलनाम संकीर्तन, संत-विद्वत्संगोष्ठी व भजन संध्या आदि के कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

संत-विद्वत्संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत के प्रकांड विद्वान पण्डित राजाराम मिश्र एवं श्रीराम कथा मर्मज्ञ स्वामी भानुदेवाचार्य महाराज ने शरा क्विंट प्रवर ब्रजकिशोरी शरण (माताजी) अत्यंत सेवाभावी व धर्मनिष्ठ संत थीं। वो

सदैव ही पूर्ण समर्पण व निस्वार्थ भाव से संत, गौ एवं निर्धन-निराश्रितों की सेवा करती थीं। उनके द्वारा स्थापित किए गए सेवा प्रकल्प श्री गोपाल निकुंज सेवा संस्थान में पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ आज भी चलाए जा रहे हैं।

गोपाल निकुंज सेवा संस्थान के संस्थापकाध्यक्ष आचार्य युगल किशोर कटारे व भागवताचार्य चेतन्य किशोर कटारे ने कहा कि हमारी सद्गुरुदेव ब्रजकिशोरी शरण (माताजी) ने श्रीधाम वृन्दावन में रहते हुए श्रीकृष्ण भक्ति की लहर को समूचे विश्व में प्रवाहित कर के अनेकों व्यक्तियों का कल्याण किया।

गौरी शंकर धाम के अध्यक्ष आचार्य शिवम साधक महाराज एवं प्रख्यात साहित्यकार रघूपी रत्नर डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि संत शिरोमणि ब्रजकिशोरी शरण

(माताजी) अनेकानेक सद्गुणों की खान थीं। यदि हम लोग उनके किसी एक गुण को भी अपने जीवन में धारण कर लें तो हमारा कल्याण हो सकता है।

ब्रजभूमि कल्याण परिषद् के अध्यक्ष पण्डित बिहारीलाल वशिष्ठ एवं प्रख्यात भागवताचार्य पण्डित सुरेश चन्द्र शास्त्री ने कहा कि ब्रजकिशोरी शरण (माताजी) पर-भजनानंदी एवं दिव्य तपोमूर्ति थीं। उन्होंने श्रीधाम वृन्दावन में साधनामय जीवन जीते हुए योग व तप की शक्ति से अनेकों व्यक्तियों को पीड़ा दूर की।

इससे पूर्व संपन्न हुई सरस भजन संध्या में प्रख्यात संगीताचार्य पंडित देवकीनंदन शर्मा, रासाचार्य स्वामी रामशरण शर्मा व स्वामी प्रेमशरण शर्मा ने ठाकुर श्रीगोपालजी महाराज की महिमा से ओत-प्रोत भजनों का

संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य गायन कर सभी को भाव-विभोर कर दिया।

सन्त विद्वत्संगोष्ठी में पण्डित राम गोपाल शास्त्री, निंबार्क विद्यालय के प्राचार्य ब्रजकिशोर त्रिपाठी, आचार्य विपिन बापू महाराज, आचार्य डॉ. रामदत्त मिश्र, डॉ. राधाकांत शर्मा, बालो पंडित, प्रोफेसर राम वैद्य, पण्डित राजेश कृष्ण शास्त्री, आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संचालन श्रीरंगलक्ष्मी संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. राम सुदर्शन मिश्र ने किया।

महोत्सव में पधारे सभी सन्तो-विद्वानों का स्वागत-सत्कार महोत्सव के आयोजक आचार्य युगल किशोर कटारे व संयोजक भागवत प्रवक्ता आचार्य चैतन्य किशोर कटारे ने ठाकुरजी का पटुका-प्रसादी-माला आदि भेंट करके किया।

## श्रीअवध धाम मंदिर व आश्रम का द्विदिवसीय वार्षिक महोत्सव धूमधाम से प्रारम्भ

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

**वृन्दावन।** परिक्रमा मार्ग-ब्रज निकुंज कॉलोनी (केला देवी मंदिर के सामने) स्थित श्रीअवध धाम में श्रीअवध धाम गुरु कृपा ट्रस्ट के तत्वाधान में श्रीअवध धाम मंदिर व आश्रम का द्विदिवसीय वार्षिक महोत्सव र आनन्द महोत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ प्रारम्भ हो गया है। महोत्सव का शुभारंभ महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने ठाकुर आनन्द बिहारी सरकार की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इससे पूर्व ठाकुरजी का पंचामृत से अभिषेक भी किया गया। साथ ही उनकी विशेष आरती की गई।

इस अवसर पर भक्तों व श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि श्रीधाम वृन्दावन उत्सवों की भूमि है। इस पावन भूमि के प्रत्येक कण-कण में श्रीराधा कृष्ण विद्यमान हैं। इसीलिए यहां की भूमि अत्यंत पावन व पूज्य है। इस भूमि पर केवल वही व्यक्ति आ सकता है, जिस पर श्रीराधाकृष्ण अपनी कृपा करते हैं। उनका कृपा के बिना यहां आना असम्भव है। हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं जो हम इस पावन धाम में आकर ठाकुरजी का उत्सव मना रहे हैं। भागवत रसिक पंडित राधे राधे महाराज



ने कहा कि वृन्दावन धाम की महिमा स्वर्ग से भी अधिक है। यहां पर रहने वाले ब्रजवासी व संत स्वर्ग जाने की आशा नहीं रखते। उनके लिए श्रीधाम वृन्दावन ही स्वर्ग से श्रेष्ठ

है। इसीलिए सभी देवतागण इस ब्रजभूमि में बार बार लीला करने आते रहते हैं। यहां पर ठाकुरजी का उत्सव मनाने से अन्य स्थानों की अपेक्षा शतगुणा अधिक फल प्राप्त होता है।

प्रख्यात साहित्यकार रघूपी रत्नर डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं सन्त प्रवर रामदास महाराज ने कहा कि श्रीधाम वृन्दावन की पावन धरा पर आज भी कई ऐसे दिव्य स्थल हैं,

जहां पर श्रीराधाधारी और भगवान श्रीकृष्ण के होने का आभास प्रभु भक्तों को होता है। इसीलिए इस भूमि पर श्रीअवध धाम गुरु सेवा ट्रस्ट के द्वारा अवध धाम मंदिर व आश्रम की स्थापना की गई है। जिसका वार्षिकोत्सव आज हम सब मना रहे हैं।

सायं काल राजीव शास्त्री (सोनीपत) के द्वारा संकीर्तन का आयोजन सम्पन्न हुआ जिसमें उन्होंने अपनी सुमधुर वाणी के द्वारा संगीत की मृदुल स्वर लहरियों के मध्य श्रीराधा कृष्ण की महिमा से ओतप्रोत भजनों का गायन कर सभी को भाव-विभोर कर दिया।

महोत्सव में तिलकराज मिगलानी, ओमप्रकाश बिरमानी, वेदप्रकाश पाराशर, सन्त रासबिहारी दास महाराज, राम कुमार गोयल, ईश्वर गोयल, संत कुमार गोयल, मुकेश गोयल, नंद किशोर छाबड़ा, धीरज छाबड़ा, दीपक गोयल, ओमप्रकाश विरमानी, मनीष आहूजा, सतीश तगरा, कमल राणा, विपिन चुग, आचार्य पुरुषोत्तम पाराशर, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। महोत्सव के अंतर्गत सन्त, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारा भी हुआ जिसमें सैकड़ों व्यक्तियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

## क्या हम आज भी गरीबी, भ्रष्टाचार, जातिवाद और भेदभाव से पूरी तरह मुक्त हो पाए हैं? : ठाकुर संजीव कुमार सिंह

आज भी समाज में कई कुरीतियाँ मौजूद हैं जो हमारी आजादी पर गंभीर और चिंताजनक प्रश्नविहन लगाती हैं : संजीव कुमार सिंह मानसिक स्वतंत्रता के नाम पर पश्चिमी संस्कृति की अंधी नकल या संकीर्ण सोच को अपनाना वास्तविक स्वतंत्रता नहीं है, असली स्वतंत्रता विचारों की स्पष्टता और सकारात्मक सोच में निहित है : संजीव कुमार सिंह जब तक हर गरीब बच्चा शिक्षा से जुड़ा नहीं होगा, आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होगा, तब तक देश की स्वतंत्रता अधूरी रहेगी - यदि बेटीयों रात में स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करतीं, तो व्यक्तिगत स्वतंत्रता अभी भी अधूरी है : संजीव कुमार सिंह

**नई दिल्ली, संजय सिंह।** देशभर में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और गौरव के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन भारतीय लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों का प्रतीक है। 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली, लेकिन 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ भारत एक संपूर्ण गणतंत्र बना।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी ठाकुर संजीव कुमार सिंह एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया एवं राष्ट्रीय नेता इंडियन नेशनल कांग्रेस AICC, मंत्री पद के दावेदार ने सवाल उठाया कि क्या हम आज भी गरीबी, भ्रष्टाचार, जातिवाद और भेदभाव से पूरी तरह मुक्त हो पाए हैं? आज भी समाज में कई कुरीतियाँ मौजूद हैं जो हमारी आजादी पर गंभीर और चिंताजनक प्रश्नविहन लगाती हैं। मानसिक स्वतंत्रता के नाम पर पश्चिमी संस्कृति की अंधी नकल या

संकीर्ण सोच को अपनाना वास्तविक स्वतंत्रता नहीं है, असली स्वतंत्रता विचारों की स्पष्टता और सकारात्मक सोच में निहित है। जब तक हर गरीब बच्चा शिक्षा से जुड़ा नहीं होगा, आर्थिक रूप से सशक्त नहीं होगा, तब तक देश की स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। यदि बेटीयों रात में स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करतीं, तो व्यक्तिगत स्वतंत्रता अभी भी अधूरी है।

श्री सिंह ने कहा कि रहर वर्ष 26 जनवरी हमें यह स्मरण कराती है कि संविधान ने हमें अधिकार तो दिए हैं, लेकिन उनका सही उपयोग और रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। स्वतंत्रता केवल अधिकारों का नाम नहीं है, बल्कि उनके संरक्षण और समाज को बुराइयों से मुक्त करने की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। स्वतंत्रता केवल अधिकारों का नाम नहीं है, बल्कि उनके संरक्षण और समाज को बुराइयों से मुक्त करने

की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। हर वर्ष 26 जनवरी हमें यह स्मरण कराती है कि संविधान ने हमें अधिकार तो दिए हैं, लेकिन उनका सही उपयोग और रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि "हम तब ही पूरी तरह स्वतंत्र कहलाएंगे, जब देश का अंतिम व्यक्ति भी अपावों, भय और भेदभाव से मुक्त होगा। स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ अपने देश और समाज के प्रति जिम्मेदार होना है। स्वतंत्रता केवल राजनीतिक नहीं, सामाजिक और वैचारिक भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दृष्टि से भारत एक संप्रभु और लोकतांत्रिक राष्ट्र है। हमारे पास शक्ति का अधिकार है और सरकार चुनने की शक्ति है, लेकिन असली प्रश्न सामाजिक और वैचारिक स्वतंत्रता का है।

नशा और सामाजिक बुराइयाँ समाज के लिए

घातक उन्होंने नशाखोरी, अभद्र टिप्पणी और असाामाजिक व्यवहार पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि युवाओं का एक बड़ा वर्ग नशे की गिरफ्त में आ चुका है, जो समाज के लिए गंभीर खतरा है। नशा न केवल युवा पीढ़ी की सोचने-समझने की शक्ति छीन लेता है, बल्कि उसके भविष्य को भी अंधकार में धकेल देता है। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि "आइए, हम सभी शपथ लें कि नशेले पदार्थों से दूर रहेंगे, अपने परिवार और समाज को भी इससे बचाएंगे और नशे के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चलाएंगे।" साथ ही उन्होंने धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को पवित्रता बनाए रखने की अपील भी की।

अच्छा नागरिक और व्यापारी वही, जो राष्ट्रहित को प्राथमिकता दे

उन्होंने कहा कि राष्ट्रनिर्माण की नींव युवाओं के संस्कार, अनुशासन और आत्मनिर्भर सोच में छिपी है। भारत की प्राचीन परंपराएँ जैसे योग, आयुर्वेद और विज्ञान आज न केवल स्वास्थ्य के क्षेत्र में, बल्कि आर्थिक स्वावलंबन और रोजगार सृजन में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि योग और आयुर्वेद आधारित उद्योग वैश्विक स्तर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहे हैं। "अच्छा नागरिक और अच्छा व्यापारी वही होता है, जो केवल लाभ नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के हित को भी सर्वोपरि रखे।"

युवाओं को संदेश अपने संबोधन के अंत में उन्होंने युवाओं से कहा "अपने स्वभाव पर यकीन रखो, अपनी कामयाबियों पर नाज़ करो। हर नया कदम एक नई शुरुआत है। आरंभ युवा दिल से टान लें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।"





# आरएसपी भूमि व संपत्तियों में संगठित भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, मामला सिविली मे- डॉ यादव

एस्टेट ऑफिस व टाउन सर्विसेज की मिलीभगत से अवैध कब्जा, अनधिकृत निर्माण और कंपनी संपत्ति की लूट के दावे की जाँच हो

**राउरकेला:** राउरकेला स्टील प्लांट (RSP) की बहुमूल्य भूमि और संपत्तियों पर संगठित भ्रष्टाचार, अवैध कब्जा और सत्ता के दुरुपयोग के गंभीर आरोप सामने आए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राजकुमार ने प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत की कि RSP के एस्टेट ऑफिस, टाउन सर्विसेज, मार्केट सेक्शन और संबंधित विभागों के कुछ अधिकारी-कर्मचारी आपसी मिलीभगत से वर्षों से कंपनी की भूमि और भवनों पर खुलेआम अवैध कब्जा, अनाधिकृत स्थायी निर्माण और पट्टा शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस पूरी व्यवस्था में अंडरटेबल और अनधिकृत लेन-देन के जरिए संपत्तियों का निजी लाभ उठाया जा रहा है, जिससे कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व SAIL सेवा नियमों का उल्लंघन हो रहा है।

जानकारों का कहना है कि लंबे समय से इन गतिविधियों की अनदेखी होने के कारण अवैध कब्जाधारियों के हौसले बुलंद हैं। इस संबंध में संबंधित विषय पत्र केंद्रीय सतर्कता आयोग (CVC) को भेजकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की माँग की गई है।

प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा इस शिकायत को इस्पात मंत्रालय के माध्यम से CVC को अग्रिष्ठ किया गया है, जिससे आम जनता में न्याय और पारदर्शिता की उम्मीद बढ़ी है।



## भारत पर्व 2026 में झारखंड की झांकी गजराज, हरियाली, ईको टूरिज्म की छटा बिखरेगा

26 से 31 जनवरी तक दिल्ली में निःशुल्क नयनाभिराम कर सकेंगे दर्शक कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड - झारखंड



रांची, गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर लाल किले में आयोजित होने वाले 56वां भारत पर्व 2026 में झारखंड की झांकी इस बार दर्शकों अपनी वन भूमि विरासत व वन्यजीव को लेकर होगा। राज्य की झांकी के माध्यम से झारखंड की समृद्ध प्राकृतिक विरासत, बहुमूल्य जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित की जाएगी। इस वर्ष झांकी की थीम "स्वतंत्रता का मंत्र: वंदे मातरम्" और विकसित भारत रखी गई है, जो प्रकृति और राष्ट्रभक्ति के गहरे संबंध को उजागर करेगी। झांकी में झारखंड के प्रसिद्ध दसम जलप्रपात, वन्यजीव और इको-टूरिज्म को प्रमुखता से दर्शाया जाएगा। एशियाई हाथी और नीलगाय जैसे वन्यजीव प्रतीक बनेंगे। यह झांकी झारखंड की हरियाली, जलस्रोतों की प्रचुरता और आदिवासी समाज के प्रकृति से जुड़े जीवन को दर्शकों के सामने सशक्त रूप से प्रस्तुत करेगी।

भारत पर्व 2026 का आयोजन लाल किला प्रांगण में 26 जनवरी से 31 जनवरी तक किया जाएगा। इस दौरान झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां भारत की सांस्कृतिक विविधता, प्राकृतिक धरोहर और विकास यात्रा को प्रदर्शित करेंगी। झारखंड की झांकी राज्य को सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति-आधारित पर्यटन के अग्रणी उदाहरण के रूप में पेश करेगी। यह उल्लेखनीय है कि भारत पर्व का आयोजन हर वर्ष पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर किया जाता है। यह कार्यक्रम 26 जनवरी से 31 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक आम जनता के लिए निःशुल्क खुला रहेगा। उधर दिल्ली से मिली जानकारी के अनुसार भारत पर्व में दर्शक न केवल गणतंत्र दिवस परेड में शामिल विभिन्न राज्यों की झांकियों का आनंद लेंगे, बल्कि फूड वेड्स के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद भी उठा पाएंगे।

यह सिर्फ एक चुनाव नहीं है। यह सम्मान पर जनमत संग्रह है! दशकों से दलित वकीलों को पिना गया है, माना नहीं गया। भीड़ के लिए इस्तेमाल किया गया, निगणों में नजरअंदाज किया गया, और अन्याय के समय चुप करा दिया गया। जब अपमान होता है — एकजुटता गायब हो जाती है। जब गिरफ्तारी होती है — आवाज दबा दी जाती है। अब यह चुप्पी टूटनी चाहिए। अभी। रजत कल्सन सहानुभूति नहीं माँग रहे हैं। वे समानता की माँग कर रहे हैं। यह लड़ाई किसी पद की नहीं, बल्कि सम्मान, प्रतिनिधित्व और संवैधानिक नैतिकता की है। रजत कल्सन को दिया गया एक वोट है—

- अपमान के खिलाफ
  - झूठे मुकदमों और चयनात्मक चुप्पी के खिलाफ
  - बार राजनीति में टोकनिज्म के खिलाफ
  - अदालतों में साहस के पक्ष में
- यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं है। यह सवाल है— क्या दलित वकील केवल भीड़ बनकर रहेंगे या एक सशक्त ताकत बनेंगे? अगर आज हम एकजुट नहीं हुए, तो कल अन्याय और ज़्यादा ताकत से लौटेंगे। समझदारी से वोट दीजिए। हिम्मत को वोट दीजिए। प्रतिनिधित्व को वोट दीजिए। रजत कल्सन को वोट दीजिए क्योंकि सम्मान को आवाज चाहिए। जय भीम। संविधान • स्वाभिमान • प्रतिनिधित्व

**यह सिर्फ एक चुनाव नहीं है! यह सम्मान पर जनमत संग्रह है!**

दशकों से दलित वकीलों को पिना गया है, माना नहीं गया। भीड़ के लिए अस्तेमाल किया गया, निगणों में नजरअंदाज किया गया, और अन्याय के समय चुप कर कर दिया गया।

जब अपमान होता है — एकजुटता गायब हो जाती है। जब गिरफ्तारी होती है — आवाज दबा दी जाती है। अब यह चुप्पी टूटनी चाहिए। अभी!

रजत कल्सन सहानुभूति नहीं माँग रहे हैं। वे समानता की माँग कर रहे हैं।

**यह लड़ाई किसी पद की नहीं, बल्कि सम्मान, प्रतिनिधित्व और संवैधानिक नैतिकता की है।**

**यह लड़ाई हम एकजुट चाहिए। हिम्मत को वोट दीजिए। प्रतिनिधित्व को वोट दीजिये।**

**रजत कल्सन को वोट दीजिए क्योंकि सम्मान को आवाज चाहिए। जय भीम!**

संविधान • स्वाभिमान • प्रतिनिधित्व

जारीकर्ता रजत कल्सन एडवोकेट

## कांग्रेस SC सेल ने बरगढ़ बरपाली में MNREGA बचाव कार्यक्रम का आयोजन किया

मनोरंजन शासमल, स्टेट हेड ओडिशा

**भुवनेश्वर:** बरपाली पूर्वोत्तर के वाइ नंबर 11 में यादव कल्याण मंडप में सैकड़ों लोगों के साथ 'MNREGA' बचाव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बरगढ़ जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष अभिषेक सेठ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। राज्य कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष एडवोकेट मानस कुमार मलिक ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और अपने भाषण में कहा कि MNREGA कानून राष्ट्रपति महात्मा गांधी के

सम्मान में लाया गया था और देश के करोड़ों गरीब लोगों को काम का अधिकार था और मोदी सरकार को MNREGA को रूब-रूब ग्रामजीव योजना से बदलने की इतनी जरूरत क्यों थी। दक्षिणपंथी विचारधारा से प्रेरित होकर मोदी सरकार ने यह काम किया है, जिससे करोड़ों गरीब भारतीयों ने सौ दिन काम करने का अधिकार खो दिया है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ऐसी तानाशाही बर्दाश्त नहीं करेगी और पीसीसी अध्यक्ष भक्त चरण दास के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी



संगठन के सचिव श्री पांडव कर्ण ने कार्यक्रम में शामिल होकर कहा कि महात्मा गांधी का नाम स्मृति से हटाकर मोदी सरकार ने जंगली की है, उसका कांग्रेस पार्टी और देश की जनता आने वाले दिनों में वोट के जरिए मुंहतोड़ जवाब देगी। राज्य अनुसूचित जाति विभाग के उपाध्यक्ष रंजन सेठी, संपादक सत्यनारायण साहबी, वरिष्ठ नेता आनंद प्रधान महागल ने कार्यक्रम में भाग लेकर अपने भाषण दिए और बैचक के अंत में बरपाली एनएसी के वाई पार्षद नंबर 11 सरोज भोई ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

## समंदर के बीच आइलैंड द्वीप पर 77वें रिपब्लिक डे से पहले तिरंगा लहराया गया

मनोरंजन शासमल, स्टेट हेड ओडिशा

**भुवनेश्वर:** भद्रक जिले में धामरा पोर्ट के पास उदाबाली आइलैंड पर 77वें रिपब्लिक डे से पहले तिरंगा लहराया गया है। कोस्टल सिक्योरिटी और शहीदों को श्रद्धांजलि देने के मकसद से तिरंगा फहराया गया है। जिसका असली नाम कनिंका बाली आइलैंड है। यह आइलैंड राजा कनिंका के राज की एक खूबसूरत कहानी समेटे हुए है। समय के साथ मछली पकड़ने समय रेत उड़ गई, इसलिए इसका नाम उदा बाली पड़ गया। यह द्वीप एशिया के सबसे बड़े बंदरगाह, भद्रक जिले में धामरा पोर्ट से सिर्फ 12 किलोमीटर दूर स्थित है। लेकिन धामरा पोर्ट के निर्माण से पहले, पश्चिम बंगाल ने इसे अपना दावा किया था। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह बाली द्वीप बंदरगाह के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। समुद्र की लहरों के टकराने के बाद, समुद्र का पानी शांत हो जाता है और धामरा पोर्ट तक एक प्राकृतिक बंदरगाह बनाता है। चूंकि यह द्वीप पश्चिम बंगाल से 170 किलोमीटर दूर है, इसलिए उसने इस उदा बाली पर अपना दावा किया और ऐसी जानकारी है कि उसने यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत कोशिश की कि ओडिशा में कोस्टल बनावट को बनाए रखा जाए। पश्चिम बंगाल ने उदा बाली से बड़े जहाजों में आने वाले सामान को दूसरे छोटे जहाजों में स्थानांतरित करने की योजना बनाई।



लेकिन समय के साथ, यह बंदरगाह और उदा बाली भद्रक जिले के चांदबाली के अधिकार क्षेत्र में आ गए। यह द्वीप तटीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। इसलिए आज, पुलिस महाविभाग (DGP) आर्वाई बी खुरानिया ने इस द्वीप पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस आइलैंड पर नेशनल फ्लैग फहराना एक साथ ओडिशा बनाए और कोस्टल सिक्योरिटी के लिए जरूर एक्साइटिंग है। 77वें रिपब्लिक डे के मौके पर, भारत सरकार ने फेज में 13 आइलैंड पर तिरंगा फहराने का फैसला किया है। हर महीने, मरीन पुलिस एंटी-नेशनल के खिलाफ कोस्टल सिक्योरिटी के लिए आइलैंड पर पैट्रोलिंग करेगी। पिछले फाइनेंशियल इंडर में, कोस्टल सिक्योरिटी के लिए बजट में उदा बाली आइलैंड के लिए 22 करोड़ दिए गए थे। इस साल, राज्य सरकार ने मरीन पुलिस को ताकत बढ़ाने के लिए एक्स्ट्रा 150 करोड़ मंजूर किए हैं। यह पैसा ओडिशा, फायरफाइटिंग और पुलिस कंट्रोल सेंटर बनाने पर खर्च किया जाएगा। इसी तरह, घुसपैठियों को रोकने के लिए मरीन पुलिस और फायर बोट स्टैंडबाय पर रहेगी। सिक्योरिटी के मामले में कोस्ट कैसे मजबूत रहेगा? पुलिस डायरेक्टर जनरल ने कहा कि सरकार ने कोस्टल सिक्योरिटी और लोकल लोगों के इकोनॉमिक डेवलपमेंट को इंप्रूविस दी है।

## लंदन में शिक्षा व कौशल विकास पर झारखण्ड—यूके राउंड टेबल संवाद

युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ने पर जोर कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड - झारखंड



रांची। लंदन प्रवास के दौरान झारखण्ड सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को शिक्षा एवं कौशल विकास पर केंद्रित एक उच्चस्तरीय राउंड टेबल संवाद के साथ महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की। जिसमें यूके के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, स्किलिंग संगठनों, अर्वाइंग बॉडीज और अप्रेंटिसिप पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता सुदिव्य कुमार, मंत्री, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग सह उच्च शिक्षा विभाग तथा संरक्षक वंदना डाडेल, अपर मुख्य सचिव, झारखण्ड सरकार ने की। संवाद का उद्देश्य झारखण्ड के युवाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने की रणनीति पर विचार-विमर्श करना रहा। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि यह संवाद उस स्पष्ट सोच को मजबूती देता है, जिसमें शिक्षा को रोजगार से, कौशल को अवसर से और स्थानीय प्रतिभा को वैश्विक मंच से जोड़ा जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी के मार्गदर्शन में अबुआ सरकार द्वारा युवा शक्ति को भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल है। सत्र के उद्घाटन में झारखण्ड प्रतिनिधिमंडल ने राज्य को केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शिक्षा और नवाचार के संभावित केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया। प्रतिनिधिमंडल ने इस तथ्य पर ध्यान आकृष्ट किया कि हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों की गतिविधियां मुख्यतः पश्चिमी भारत, दिल्ली एनसीआर और दक्षिण भारत तक सीमित रही हैं, जबकि पूर्वी और मध्य भारत अब भी अंतरराष्ट्रीय शिक्षा निवेश के मानचित्र से बाहर हैं। झारखण्ड ने अधिक संतुलित और समावेशी अंतरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए पूर्वी भारत को वैश्विक शिक्षा साझेदारियों के अगले चरण का प्रमुख गंतव्य बनाने का आह्वान किया।

पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी, हरित कौशल, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और खनन से जुड़े अनुसंधान एवं कौशल को प्रारंभिक क्षेत्र बताया गया। राउंड टेबल में कौशल एवं योग्यताओं की पारस्परिक मान्यता, संयुक्त डिग्री कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय कैम्पस/सेटलाइट केंद्र, छात्र एवं शिक्षक विनिमय तथा भारत-यूके हरित कौशल एजेंडा के तहत सहयोग के अवसरों पर सहमति बनी। सतत पर्यटन, आदिवासी ज्ञान प्रणालियां, संस्कृति, जलवायु कार्रवाई और नवाचार आधारित साझेदारियों पर भी चर्चा हुई। यूके के प्रतिभागीयों ने झारखण्ड की दृष्टि की सराहना करते हुए ट्रांसनेशनल एजुकेशन, पाठ्यक्रम विकास, शिक्षक प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्रों में सहयोग की प्रबल इच्छा व्यक्त की। रांची और उसके आसपास स्मार्ट सिटी पारिस्थितिकी तंत्र में शिक्षा आधारित निवेश की संभावनाओं पर भी रुचि दिखाई गई। बैठक का समापन संस्थान स्तर पर आगे की ठोस चर्चाओं और साझेदारियों को आगे बढ़ाने की सहमति के साथ हुआ। झारखण्ड सरकार में हुए भागीदारों को पूर्वी भारत के केंद्र में एक समावेशी, भविष्य-तैयार शिक्षा एवं कौशल पारिस्थितिकी के सह-निर्माण के लिए आमंत्रित किया।

## सारंडा में एक करोड़ इनामी नक्सली अनल दा समेत पंद्रह नक्सली मुठभेड़ में ढेर

झारखंड - ओडिशा सीमा पर पुलिस व सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड - झारखंड



रांची। गृहमंत्री अमित शाह के वायदे अनुसार अब सिंहभूम एवं समूचे झारखंड में माओवादी खात्मे का अन्तिम लड़ाई लड़ी जा रही है। इस क्रम में सिंहभूम के सारंडा के घने जंगलों में गुरुवार को सुरक्षाबलों ने माओवादी उन्मूलन अभियान में ऐतिहासिक सफलता हासिल की। पुलिस महानिदेशक झारखंड और सीआरपीएफ महानिदेशक सत्यनारायण साहबी ने चलाए गए विशेष अभियान 'मेघाबुरु' के तहत किरौबुरु थाना क्षेत्र के कुन्डीह में हुई भीषण मुठभेड़ में कुख्यात शीर्ष माओवादी नेता अनल दा उर्फ पतिराम मांडी समेत कुल 15 माओवादी मारे गए। अनल पर झारखंड में 1 करोड़, ओडिशा में 1.20 करोड़ और एनआईए की ओर से 15 लाख रुपये का इनाम घोषित था। यह कार्रवाई सारंडा-कोल्हान बेल्ट में माओवादियों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी सफलताओं में गिनी जा रही है। गुरुवार सुबह करीब 6.30 बजे सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम कोबरा 209 बटालियन, झारखंड जयुआर, सीआरपीएफ और जिला पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर सारंडा जंगल में सच ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान अनल के सशस्त्र दस्ते ने सुरक्षाबलों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में कई बार मुठभेड़ हुई, जो घंटों तक चली। घटनास्थल से 15 नक्सलियों के शव, अत्याधुनिक हथियार, विस्फोटक सामग्री

मुठभेड़ के बाद पूरे सारंडा क्षेत्र में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात कर नक्सलियों के भागने के संभावित रास्तों को सील किया गया है। फिलहाल जंगलों में सघन सर्च ऑपरेशन जारी है, ताकि किसी भी नक्सली को निकलने का मौका न मिले। झारखंड पुलिस ने शेष बचे माओवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की है। आज 15 माओवादी मारे गए हैं। सारंडा में माओवादियों से निर्णायक लड़ाई चल रही थी। इस ऑपरेशन के बाद झारखंड में बड़े कद के माओवादी न के बराबर बचे हैं। इनमें भाकपा (माओवादी) का सेंट्रल कमेट्री मेंबर अनल दा के अलावा अनमोल उर्फ सुशांत, अमित मुंडा, पिंटू लोहरा, लालजीत उर्फ लालू, राजेश मुंडा, बुलबुल अयदा, बबीता, पूर्णिमा, सुरजमुनी और जोंगा शामिल हैं। इन सभी पर झारखंड, ओडिशा और केंद्रीय एजेंसियों के दर्जनों गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। कई नक्सली लंबे समय से मोस्ट वांटेड सूची में शामिल थे और इलाके में हिंसक वारदातों के संचालन में अहम भूमिका निभा रहे थे। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, अनल दा 1987 से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था और माओवादी संगठन का प्रमुख रणनीतिकार माना जाता था। वर्ष 2022 से अब तक सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में हुए आईईडी ब्लास्ट, सुरक्षाबलों पर हमले और लूटपाट की घटनाओं में उसकी सीधी संलिप्तता रही है। उसके खात्मे से माओवादी संगठन की रणनीतिक क्षमता को गहरा झटका लगा है और सारंडा-गिरिडीह बेल्ट में उनका नेटवर्क बुरी तरह कमजोर हुआ है।